सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 335 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 18 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

पटना। सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार को कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने कोर्ट का मुख्य द्वार बंद करा दिया और पूरे परिसर को खाली करा लिया। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच शुरू कर दी। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मौके पर बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया। धमकी की सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। किसी भी तरह की अनहोनी से बचने के लिए कोर्ट परिसर में मौजूद लोगों को बाहर निकाल दिया गया और मुख्य द्वार बंद कर दिया गया। पुलिस और सुरक्षा टीमों ने पूरे परिसर की गहन जांच शुरू कर दी।

छत्तीसगढ़ में कल गरज-चमक के साथ बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अभी बारिश कमजोर है। पिछले 24 घंटे में कुछ जगहों पर हल्की बारिश हुई। 18 सितंबर भी बारिश कम रहेगी, लेकिन कल (19 सितंबर) से कई जगह बारिश बढ़ सकती है। गरज-चमक के साथ बारिश के भी आसार हैं। मौसम में बदलाव की वजह उत्तर थाईलैंड के ऊपर बना साइक्लोनिक सर्कुलेशन है। यह आज शाम तक उत्तर अंडमान सागर पहुंच सकता है। कल शाम यहां लो-प्रेशर एरिया बनने की संभावना है। इसके असर से छत्तीसगढ़ में नमी बढ़ेगी और बारिश की एक्टिविटी तेज हो सकती है। बारिश थमने से कई जिलों में तापमान 5-6 डिग्री तक बढ़ा है। बिलासपुर 34.6 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा, जबकि पेंड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 20.8 डिग्री दर्ज हुआ।

गरियाबंद में 7 परिवहन सुविधा केंद्रों की होगी स्थापना

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन परिवहन विभाग के निर्देशानुसार जिले में अतिरिक्त परिवहन सुविधा केंद्र स्थापित किए जाने हैं। इसके लिए इच्छुक पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिले के गरियाबंद, छुरा, फिंगेश्वर, मैनपुर और देवभोग विकासखंडों में कुल 7 परिवहन सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इनमें गरियाबंद में 2, छुरा में 1, फिंगेश्वर में 2, मैनपुर में 1 तथा देवभोग में 1 केंद्र शामिल है। परिवहन सुविधा केंद्र के लिए इच्छुक आवेदक निर्धारित शुल्क 200 रुपये जमा कर जिला परिवहन कार्यालय, गरियाबंद में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदक 30 सितंबर 2026 को शाम 5:30 बजे तक आवेदन कर सकते है।

कांग्रेसियों ने फूंका पीएम मोदी का पुतला, आरक्षक झुलसा

भिलाई। सुपेला घड़ी चौक पर गुरुवार शाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के दौरान पुतला दहन को लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झूमा-झटकी हो गई। इस दौरान जलते पुतले की चपेट में आने से सुपेला थाने में पदस्थ आरक्षक के दाहिने हाथ की भुजा झुलस गई। आरक्षक को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद आरक्षक की शिकायत पर सुपेला थाना पुलिस ने पुतला दहन में शामिल कांग्रेस के अज्ञात कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की पहचान में जुट गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर छत्तीसगढ़ में जले 1.50 करोड़ से अधिक आशीर्वाद के दीये

■ **सेवा संकल्प अभियान के तहत जनभागीदारी से गूंजा सेवा, सुशासन और संकल्प का संदेश**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्ष की सेवा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए गुरूवार को छत्तीसगढ़ में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'आशीर्वाद के दीये' कार्यक्रम का व्यापक आयोजन किया गया। प्रदेशभर में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए 1.50 करोड़ से अधिक दीये प्रज्वलित किए। गांव से लेकर शहर तक विभिन्न स्थानों पर दीप प्रज्वलन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घ सार्वजनिक जीवन, सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के प्रति जनभावनाएं व्यक्त की गईं।

'आशीर्वाद के दीये' कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिलाओं, युवाओं, किसानों, श्रमिकों, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने सामूहिक रूप से दीये जलाकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को शुभकामनाएं दीं। अनेक स्थानों पर दीपों से आकर्षक आकृतियां एवं संदेश भी बनाए गए। प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में सेवा और जनभागीदारी का विशेष वातावरण देखने को मिला। मंदिरों, चौक-चौराहों, सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख मैदानों में बड़ी संख्या में नागरिक एकत्रित हुए और दीप प्रज्वलित किए। कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग और सकारात्मक बदलाव के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया।

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत छत्तीसगढ़ में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न जनसेवा एवं जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य सेवा और सुशासन की भावना को जन-जन तक पहुंचाना तथा समाज के विभिन्न वर्गों को रचनात्मक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों से जोड़ना है। प्रदेशभर में 'आशीर्वाद के दीये' का यह आयोजन जनभागीदारी और सामूहिक उत्साह का प्रतीक बना। हजारों स्थानों पर एक साथ प्रज्वलित हुए दीपों ने सेवा और संकल्प के संदेश को व्यापक स्वरूप दिया।

एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम

■ **जापान को 8 विकेट से हराया, शेफाली ने नाबाद 40 रन बनाए, चरणी को 4 विकेट**

आईची ए.। भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। जापान के निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने जापान को आठ विकेट से हरा दिया। 58 रन के लक्ष्य को भारत ने पांच ओवर में हासिल कर लिया। शेफाली वर्मा ने विनिंग सिक्स लगाया। वह 15 गेंद में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 40 रन बनाकर नाबाद रहीं। वहीं, ऋचा घोष छह गेंद में दो चौके की मदद से 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। अब सेमीफाइनल में 20 सितंबर को भारत का सामना बांग्लादेश से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में उसी दिन पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें आमने-सामने होंगी।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। जापान की टीम 19.5 ओवर में 57 रन पर सिमट गई थी। टीम को पहला झटका सातवें ओवर में लगा था। हालांकि, इसके बाद जैसे ही पहला विकेट गिरा, जापान की पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। हारुना इवासाकी 10 रन, अयाका कातो स्टैफर्ड 47 गेंद में 25 रन बनाकर आउट हुईं। ये दोनों ओपनर्स ने ही टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए। इसके बाद कप्तान माई यानागिदा खाता खोले बिना पवेलियन लौटीं। वहीं, एरिका ओडा पांच रन, शिमाको कातो तीन रन, अकारी निशिमुरा कानो दो रन, हीनासी गोतो एक रन बना सकीं। अहिल्या चंदेल और एरिका तोगुची क्विन खाता खोले बिना आउट हुईं। भारत के लिए श्री चरणी ने चार विकेट झटके, वहीं शेफाली वर्मा को दो विकेट मिले। श्रेयांका पाटिल और दीप्ति शर्मा को एक-एक विकेट मिला।

एएसआई की हत्या: गश्त के दौरान अज्ञात हमलावरों ने मारी गोलियां

अमृतसर। गुरुवार देर रात ड्यूटी पर तैनात पंजाब पुलिस के एक एएसआई की गोली मारकर हत्या कर दी गई। थाना गेट हकीमां में तैनात एएसआई हरजीत सिंह करीब रात 2:30 बजे दाना मंडी के पास मोटरसाइकिल पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान कुछ अज्ञात लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं।

फायरिंग में एएसआई हरजीत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अमृतसर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित थाने की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

एएसआई हरजोत सिंह की हत्या के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उनके परिवार के लिए एक करोड़ की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। एचडीएफसी बैंक की ओर से भी परिवार को एक करोड़ का अतिरिक्त बीमा भुगतान किया जाएगा।

रायगढ़ में सड़क पर अचानक आ गया हाथियों का झुंड

रायगढ़। जिले से तकरीबन 24 किलोमीटर दूर रायगढ़-जशपुर मार्ग के सामारुमा गांव के पास गुरुवार की दोपहर 3 बजे के आसपास हाथियों का एक बड़ा दल सड़क पार करता दिखाई दिया। हाथियों का यह दल सड़क के एक तरफ से निकलकर दूसरी ओर जंगल की ओर बढ़ रहा था। हाथियों को देखते ही सड़क के दोनों ओर वाहनों के पहिये थम गए।

खारुन नदी पार करते समय फिसली बाइक तेज बहाव में बह गया एक युवक, मिला शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के रानीतराई थाना क्षेत्र में खारुन नदी पार करते समय बाइक फिसलने से बड़ा हादसा हो गया। बाइक सवार दो लोग नदी में गिर गए, जिसमें एक व्यक्ति तेज बहाव में बह गया, जबकि दूसरा किसी तरह अपनी जान बचाकर सुरक्षित बाहर निकल आया। सूचना के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और तलाश शुरू की। शुक्रवार सुबह एसडीआरएफ ने डीप ड्राइविंग की मदद से नदी से शव बरामद कर लिया।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार शाम ओदरागहन और तर्रागोंदी के बीच खारुन नदी पर बने एनीकेट से बाइक सवार दो व्यक्ति नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान बाइक फिसल गई और दोनों नदी में गिर पड़े। पानी के तेज बहाव में एक व्यक्ति बह गया, जबकि दूसरा तैरकर किसी तरह सुरक्षित बाहर निकल आया। हादसे की सूचना मिलते ही रानीतराई पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। अंधेरा होने के कारण तत्काल शव की तलाश में परेशानी हुई। इसके बाद शुक्रवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया। एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद डीप ड्राइविंग की मदद से नदी में तलाश की और युवक का शव बरामद कर लिया। मृतक की पहचान सुरेंद्र यादव निवासी तर्रागोंदी, जिला धमतरी के रूप में हुई है।

अभिषेक पावर प्ले में टी-20 के हाईएस्ट स्कोरर, रोहित के फास्टेस्ट सेंचुरी का रिकॉर्ड तोड़ा, विराट की बराबरी

■ **तीसरे टी-20 में 127 रन से अफगानिस्तान को हराकर 3-0 से जीती सीरीज**

नईदिल्ली ए.। भारत ने तीसरे टी-20 में अफगानिस्तान को 127 रन से हरा दिया। दिल्ली में खेले गए मुकाबले में भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा ने 108 रन बनाए। उन्होंने इस पारी के दौरान कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। अभिषेक टी-20 इंटरनेशनल में पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। इसके साथ ही उन्होंने ओवरऑल टी-20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीयों में विराट कोहली की बराबरी की। दोनों के नाम 10 शतक हैं।

इसके अलावा उन्होंने 30 गेंद पर शतक लगाकर रोहित शर्मा के फास्टेस्ट सेंचुरी का भारतीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। अभिषेक ने दिल्ली में पावरप्ले के 6 ओवर में 22 गेंदों पर नाबाद 76 रन बनाए। यह पुरुष टी-20 इंटरनेशनल में पावरप्ले में किसी बल्लेबाज का सबसे बड़ा स्कोर है। पुर्तगाल के कुलदीप घोलिया 74 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

अभिषेक सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने रोहित शर्मा के 2017 में 35 गेंद पर लगाए सेंचुरी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसके साथ ही उन्होंने फुल मेंबर देशों में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। यह रिकॉर्ड जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और न्यूजीलैंड के फिन एलेन के नाम था। दोनों ने 33-33 गेंद में यह कारनामा किया था।

संपादकीय

सुविधा का लेन-देन

डिजिटल पेमेंट्स के लिए बना रहे किफायती मॉडल

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश में लेन-देन के एक लोकप्रिय और विश्वसनीय माध्यम के रूप में स्थापित हुआ है। इससे भी बढ़कर भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जेज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जेज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है। लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए।

> राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जेज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ।

निस्संदेह, सरकार का यह तर्क वाजिब है कि इतने बड़े इकोसिस्टम को हमेशा सरकारी अनुदान के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है। यह भी हकीकत है कि सरकार को यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर लागू इसलिये करना पड़ा क्योंकि यूपीआई नेटवर्क चलाने के लिए हर साल बीस हजार करोड़ का बोझ उसे वहन करना पड़ता है। पहले सरकार ने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए ग्राहक व पेमेंट लेने वाले व्यापारियों पर कोई फीस नहीं लगायी थी। लेकिन यूपीआई नेटवर्क के विस्तार के साथ इसे चलाने का खर्च भी लगातार बढ़ता चला गया। यूपीआई का कितनी तेजी से विस्तार हुआ, इस बात का पता इस आंकड़े से चलता है कि वर्ष 2026 के वित्तीय वर्ष में यूपीआई के जरिये हुए 24,161. 69 करोड़ लेन-देन 314 लाख करोड़ रुपये कीमत के हुए। इस बीच यूपीआई से जुड़े बैंकों की संख्या 44 से बढ़कर 703 हो गई है। देश में करीब 55 करोड़ लोग यूपीआई का उपयोग कर रहे हैं। निर्विवाद रूप से आज के दौर में साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने, इंफ्रास्ट्रक्चर और नवाचार के लिए लगातार नये निवेश करने की जरूरत होती है। ऐसे में दो हजार से अधिक मूल्य के व्यापारिक लेन-देन पर सीमित मात्रा में एमडीआर मॉडल बैंकों और भुगतान प्रदाताओं के लिए एक स्थायी राजस्व का तंत्र विकसित कर सकता है। वैसे हकीकत यह भी है कि भले ही सरकार एमडीआर सिर्फ व्यापारियों पर ही लागू कर रही है, लेकिन लागत बढ़ने पर व्यवसायी एमडीआर का कुछ हिस्से का बोझ मूल्य बढ़ोतरी के माध्यम से उपभोक्ताओं पर डाल देंगे। ऐसे में यूपीआई और सेवा नियामक कमेटी को स्पष्टता और पारदर्शिता के आधार पर फैसला लेना चाहिए। एमडीआर की राशि का निर्धारण कुछ इस तरह किया जाना चाहिए, जिससे छोटे व्यवसायियों पर अधिक दबाव न पड़े। लोगों का आपसी लेन-देन मुफ्त ही बना रहे और साथ ही दो हजार रुपये की सीमा में बदलाव न किया जाए। आज देश में यूपीआई व्यवस्था त्वरित, सस्ती और सार्वभौमिक भुगतान सुविधा के चलते अर्थव्यवस्था की एक बड़ी ताकत बन गयी है। ऐसे में सरकार को ऐसा मॉडल तैयार करना चाहिए, जो डिजिटल पेमेंट को जनसाधारण के लिए सहज व सुलभ रखे। साथ ही उस ढांचे को आर्थिक संबल दे जिस पर यह निर्भर है।

हिमालयी क्षेत्र में उपजे खतरों से सबक सीखने का वक्त

शेखर पाठक

नेपाल में हालिया विनाशक बाढ़ हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते जलवायु व पारिस्थितिकीय जोखिम सामने लाई। ग्लेशियर पिघलना, ग्लेशियल झीलें, बर्फ-चट्टान खिसकना और अनियोजित विकास आपदाओं की तीव्रता बढ़ा रहे हैं। शोधों के मुताबिक, हिंदुकुश-हिमालय बेहद तेजी से गर्म हो रहा। नेपाल, भारत और चीन को नदी प्रबंधन, पूर्व चेतावनी, वैज्ञानिक योजना व टिकाऊ विकास का साझा तंत्र बनाना होगा।

तिब्बत-नेपाल सीमा पर ऊंचे हिमालयी क्षेत्र से आई एक और आपदा ने चेतावनी दे डाली है। ल्हेंदे-खोला नदी रसुवागढ़ी में नेपाल में प्रवेश करती है और केरुंग-खोला (भोटे कोसी) में मिल जाती है। आगे चलकर यह त्रिशूली व फिर नारायणी नदी बन जाती है और चितवन नेशनल पार्क से होकर गंगा में जा मिलती है।

26 अगस्त को सुबह माउंट लांगटांग (7,245 मीटर ऊंचाई) से बर्फ और चट्टान का 0.2 वर्ग किलोमीटर का बड़ा तोदा लंबवत नीचे (2270 मीटर) गिरा। इससे ल्हेंदे खोला के मार्ग में अवरोध पैदा होकर झील बन गई जिसके टूटने पर पानी एवं मलबे की विनाशक बाढ़ आई। मलबे से भरी उग्र नदी नेपाल के घनी आबादी वाले क्षेत्र से गुजरी। त्रिशूली नदी का जलस्तर सिर्फ 30 मिनट में 9-10 मीटर बढ़ गया, जिससे कई गांव व शहर तबाह हो गए।

इस बाढ़ में 1350 से ज़्यादा जानें चली गईं। सरकारी, निजी और सामुदायिक संपत्तियों का भारी नुकसान हुआ। बुनियादी ढांचे और संपत्ति का नुकसान बेहद ज्यादा है। कुछ ही मिनटों में 14 बड़े हाइड्रो प्रोजेक्ट, 41 पुल, विशालकाय मशीनें, ट्रक, बिजली संप्रेषण तारें और बिजली सब-स्टेशन नष्ट हो गए। अत्यल्प समय में दस लाख क्यूबिक मीटर से ज़्यादा मलबा बहा। बाढ़ की रफ़्तार 193 किलोमीटर प्रति घंटा आंकी। नेपाल और दूसरे हिमालयी देशों को व्यापक नज़रिये से सोचना चाहिए। पहाड़ और नदियां उनकी साझी विरासत हैं। नदियां सीमाओं के आर-पार बहने वाली जीवन-रेखाएं हैं। नेपाल को भूकंप, बर्फ-चट्टान खिसकने और जलवायु आपदाओं से निपटने के लिए असरदार रणनीति बनानी होगी, क्योंकि भविष्य में ऐसी आपदाएं बढ़ेंगी। चीन और भारत से बातचीत की ज़रूरत है। आपदा नेपाल को अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार का मौका दे रही है। टिकाऊ तीर्थ-पर्यटन, खेती-कुटीर उद्योग, पशुपालन और ऊर्जा उत्पादन के लिए भी उन्हें अपना एक मॉडल विकसित करना होगा।

बाढ़ें, ग्लेशियरों का पिघलना और बर्फीली-चट्टानों का गिरना प्राकृतिक व्यवस्था का हिस्सा रहे हैं। मॉनसून प्रधान इस उपमहाद्वीप में, कई इंसानी कारकों और जलवायु परिवर्तन ने बाढ़ के बदलते स्वरूप में भूमिका निभाई। इंसान ग्लेशियर और नदियों के व्यवहार को ध्यान से देखते रहे, लेकिन उन पर कब्ज़ा भी करते रहे और प्रकृति के उन नियमों के उल्लंघन करते हैं, जिनका पालन वे सदियों से करते रहे। हिंदूकुश हिमालयी इलाके में सिर्फ 5 प्रतिशत ज़मीन खेती योग्य है। इसका ज़्यादातर हिस्सा नदियों से बनी घाटियों में है। तथाकथित 'विकास' ही इन घाटियों में सबसे बड़ा अतिक्रमणकारी है। हमने शायद ही कभी नाजुक पहाड़ों की गोद में और मुख्य केंद्रीय आघात क्षेत्र के पास बसे लोगों के लिए विकास के विशेष तरीकों बारे सोचा जो हो, जहां पर ज़्यादातर आपदाएं पैदा होती हैं। भूकंप के लिहाज़ से संवेदनशील वी-आकार की घाटियों में बर्फ और चट्टानें नदियों का रास्ता रोकती हैं। नेपाल का बड़ा हिस्सा 'सिस्मिक गैप एरिया' में आता है, जहां पिछले सौ-डेढ़ सौ सालों से कोई बड़ा भूकंप नहीं आया। जमा होती जा रही इस भू-ऊर्जा का दशकों तक बाहर न निकलना एक बड़े भूकंप का कारण बन सकता है। मौसम की मार से कोई भी चट्टान या बर्फ की ढलान खिसक सकती है।

पुरानी जमी बर्फ और पानी युक्त ताज़ी बर्फ में फर्क होता है। पुरानी जमी बर्फ (परमाफ्रोस्ट) पर ताज़ी बर्फ तो सीधी जमा हो जाती है, लेकिन पानी नीचे बहने के लिए सबसे ढलान ढूंढ़ता है। तापमान वृद्धि के कारण ऊंची जगहों पर ओले या बर्फ गिरने के बजाय बारिश हो रही जिससे पानी की तबाही की ताकत कई गुना हो जाती है। 16-17 जून 2013 को केदारनाथ में ओले व बर्फ के बजाय बारिश हुई थी। छोटी चोराबाड़ी झील का बांध टूट गया । एक और वजह 24 घंटे में 400 मिमी बारिश थी। 1970 में बिरही-अलकनंदा बाढ़ के समय भी ऐसा हुआ, जब गौना झील टूटी थी।

7 फरवरी 2021 को रोंटी चोटी से बर्फ और चट्टान खिसकने से ऋषिगंगा में एक झील बन गई थी। यह झील फटी और दो हाइड्रो प्रोजेक्ट्स को तबाह कर दिया था, साथ ही 220 से ज़्यादा जानें लील लीं - जिनमें से ज़्यादातर मज़दूर सुरंग के अंदर थे।

तापमान बढ़ने से ग्लेशियर वाली झीलें कैसे बड़ी हो जाती हैं, यह तीस्ता बाढ़ से साफ पता चलता है, जब 3-4 अक्तूबर 2023 को दक्षिण ल्होनक ग्लेशियर झील फट गई थी। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ, 14,000 करोड़ रुपये की लागत वाला तीस्ता 3 प्रोजेक्ट तबाह हो गया था। यह ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड था और नेपाल में इनका खतरा बना रहता है। मई 2012 में भी, ऐसी ही एक बाढ़ से पोखरा में 60 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई थी। नेपाल में आने वाली विनाशकारी बाढ़ से ग्लेशियर की बर्फ बड़े पैमाने पर बहने और उससे निचले इलाकों में होने वाली जानलेवा घटनाओं के बीच संबंध समझा जा सकता है। इस आपदा को हिमालय के बड़े खतरों से जोड़कर देखा जाना चाहिए, क्योंकि हिंदूकुश हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियल झीलों का आकार बढ़ रहा है और जलवायु-खतरे बढ़ रहे हैं। सितंबर 2024 में बारिश, भूस्खलन और बाढ़ के कारण 170 जानें चली गईं। अकेले काठमांडू में बाढ़ से 48 लोगों की मौत हुई। कोसी और गंडक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बहने लगीं। नेपाल में 30 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए। 2025 में भी बाढ़ आई थी।

भूकंप जैसी घटनाओं से यह आपदाएं और भी जानलेवा हो सकती हैं। कई कारकों के मेल से बनी अन्य आपदाओं में मेलमची (2021), थामे (2024) और भोटे कोसी (2025) की घटनाएं शामिल हैं। हिमालय क्षेत्र का तापमान वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी तेज़ी से गर्म हो रहा है, जिससे यहां खतरा अधिक बढ़ा है। संयुक्त राष्ट्र ने 2023 में कहा था कि वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण नेपाल के पहाड़ों ने पिछले लगभग 30 सालों में ही एक-तिहाई बर्फ खो दी। नेपाल में 2,000 से ज़्यादा ग्लेशियल झीलें हैं, जिनमें से 21 को संभावित रूप से खतरनाक माना जाता है।

हिमालयी देश पारिस्थितिकीय, आपदा और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ये सभी गहराई से जुड़े हैं। पारिस्थितिकी को कोई भी नुकसान आपदाओं की तीव्रता को बढ़ाता है और ये दोनों ही जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होते हैं। वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण बर्फ पहले से ही अस्थिर हो चुकी है। हिंदुकुश हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर बर्फ का ह्रास 2011-20 की अवधि में, उससे पिछले एक दशक की तुलना में 65 फीसदी तेज़ी से हुआ। शोधकर्ताओं के अनुसार, अगर 2100 तक जीवाश्म ईंधन से होने वाले उत्सर्जन में भारी कटौती नहीं की, तो हिमालय अपनी 66 फीसदी बर्फ खो सकता है।

न्यूनतम कार्बन फुटप्रिंट वाला नेपाल पड़ोसी देशों की हरकतों की कीमत चुका रहा है, जो भारी मात्रा में काला कार्बन धुआं और ब्राउन डस्ट वातावरण में छोड़ रहे। सटीक नीति व ज़िम्मेदार सामाजिक व्यवहार ही संतुलन रख सकता है। हिमालयी देशों के बीच समझ बनानी चाहिए। विचार विनिमय व विश्लेषण जरूरी हैं। साझी नदी-प्रबंधन के लिए बातचीत उतनी ही अहम है जितनी संधियां।

भारत और चीन के बीच कोई संधि नहीं। पारेचू नदी का मामला ही लें। जून 2004 में लैंडस्लाइड से तिब्बत की तरफ एक झील बन गई थी। एक साल बाद, 26 जून 2005 को वह झील फट गई। जानें तो बच गईं, लेकिन भारतीय इलाके में 800 करोड़ रुपये की क्षति हुई। इसके बाद आपदा संहिता पर दस्तख़त हुए, लेकिन भारत को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। अब चीन सीमा के पास कई बांध बना रहा है और पड़ोसी देशों के साथ कोई समझौता नहीं है।

सच है कि लोग इन इलाकों में अपने जोखिम पर रहते हैं। इसे कम करने को काम तो कर सकते हैं, लेकिन काबू से बाहर की ताकतों के जोखिम कभी खत्म नहीं कर सकते। लेकिन अब लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं हैं। आधुनिक विज्ञान का इस्तेमाल नागरिकों की भलाई के लिए किया जा सकता है। समुदायों को यह तय करना होगा कि किस तरह का 'विकास' फायदेमंद है और कौन सा बेहद जोखिम भरा। आपदाओं से सीखा सबक समुदायों को तो लंबे समय तक याद रहता है लेकिन सरकारी तंत्र जल्द ही भूल जाता है।

लेखक पर्यावरणविद् और इतिहासकार हैं।

इतिहास में जिनके नाम नहीं हैं, उनमें भी नायकों को तलाशें

ज्यां द्रेज

हम अक्सर चे ग्वेरा और महात्मा गांधी जैसे नायकों की प्रशंसा करते हैं, जिन्होंने आराम की जिंदगी छोड़कर दूसरों की भलाई के लिए काम किया। लेकिन वैसे लोग भी नायक होते हैं, जिन्होंने खुद गरीबी में रहते हुए दूसरों की फिक्र की और उनकी मदद करने के जतन किए।

ऐसे लोग मुझे तो बहुत मिले हैं- मजदूर, रिक्शावाले, स्वास्थ्यकर्मी और अन्य। उनमें से बहुतों ने ज्यादा पढ़ाई नहीं की होती है। लेकिन मैंने उनमें सहानुभूति, शोषण की समझ और न्याय की गहरी भावना पाई है। आप उन्हें 'सहज-क्रांतिकारी' कह सकते हैं।

क्रांतिकारी से मेरा मतलब यह नहीं है कि वे व्यवस्था को उखाड़ फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। मेरा मतलब यह है कि उन्होंने रूढ़ियों की बेड़ियां तोड़ीं और अपने तरीके से एक नई दुनिया बनाने के लिए काम किया। उनमें से एक थे नियामत अंसारी, जो झारखंड के मणिका प्रखंड में रहते थे।

जब मैं उनसे करीब बीस साल पहले मिला था, तब वे अपने दोस्त भूखन के साथ मनरेगा में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे थे। नियामत मुसलमान थे और भूखन आदिवासी, लेकिन दोनों सगे भाइयों जैसे थे। दोनों नियामत की पुरानी, खटारा मोपेड पर बैठकर गांव-गांव जाते थे और मनरेगा के कामों की जांच करते थे।

भूखन और नियामत ने कई भ्रष्ट ठेकेदारों का भंडाफोड़ किया था। जाहिर है, वैसे ठेकेदार उनसे नाराज हो गए और उनसे बदला लेने में लग गए। नियामत और भूखन को झूठे केस में फंसा दिया गया। दोनों को कुछ समय जेल में भी बिताना पड़ा। जेल में उनके साथ जो हुआ, उसके बारे में उनकी बातें तो मैं कभी नहीं भूलूंगा। वहां रात में कैदियों को टॉयलेट जाने की भी सुविधा नहीं थी।

लेकिन जेल से छूटते ही नियामत और भूखन ने फिर से भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष शुरू कर दिया। ठेकेदार उनकी हत्या की साजिश में लग गए। 2 मार्च 2011 को ठेकेदारों के इशारे पर माओवादियों के एक दस्ते ने नियामत को पीट-पीटकर मार डाला। भूखन ने एक खेत में छिपकर अपनी जान बचाई।

ऐसे 'सहज-क्रांतिकारियों' में कई महिलाएं भी हैं। मणिका में ही मैं ऐसी कई महिलाओं को जानता हूं। उनमें से एक थीं श्यामा सिंह। नियामत की तरह श्यामा भी अत्याचार करने वालों के सामने खड़े होने से नहीं डरती थीं। उन्होंने मणिका की कई महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने की प्रेरणा दी।

2015 में इन महिलाओं ने बहुत कम पैसे खर्च करके ग्राम पंचायत के मुखिया का चुनाव जीतने में श्यामा की मदद की थी। लेकिन ज्यादातर मुखियाओं के विपरीत, श्यामा ने पद का इस्तेमाल पैसा कमाने के लिए नहीं किया। पांच साल बाद भी उनका घर लगभग वैसा ही रहा जैसा पहले था, और उनके पास सस्ती स्कूटी के अलावा कोई और वाहन नहीं था।

जब नियामत को आधी रात में पीटा गया था, तब मणिका थाना पुलिस घटनास्थल पर नहीं पहुंची थी। ऐसे में श्यामा ही हिम्मत करके 10 किलोमीटर दूर अपने घर से निकलकर नियामत को अस्पताल ले जाने के लिए वहां पहुंच गईं। जबकि उस समय श्यामा नियामत से नाराज थीं। लेकिन उन्होंने अपनी नाराजगी भुला दी और उनकी मदद के लिए दौड़ी चली आईं, क्योंकि नियामत उनके साथी थे।

18 जुलाई 2026 को घर में झाड़ू लगाते समय श्यामा को नाग ने काट लिया। कुछ दिन बाद बारिश में उनका अंतिम संस्कार हुआ। गांव के हर घर से कोई न कोई वहां आया। उनके पड़ोसियों, रिश्तेदारों और दोस्तों ने गांव के आदिवासियों की सरल और सच्ची भाषा में उनके बारे में बातें कीं। यहां तक कि नए मुखिया की आंखों में भी उनके बारे में बोलते समय आंसू थे, जबकि वे श्यामा के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी थे।

भूखन, नियामत और श्यामा जैसों का नाम इतिहास की किताबों में नहीं मिलता, लेकिन वे हमारे लिए प्रेरणा और उम्मीद हैं। आज की प्रचलित विचारधारा हमें उन लोगों की प्रशंसा करना सिखाती है, जो अपने लिए अच्छा करते हैं- करोड़पति, नेता, टॉपर, स्टार आदि। इससे हमें ऐसा लगता है कि सिर्फ अपने ही लिए जीना स्वाभाविक है। लेकिन बहुत-से आम लोगों के आदर्श इससे कहीं ऊंचे होते हैं। मैं उन्हें सलाम करता हूं।

आज हमें उन लोगों की प्रशंसा करना सिखाया जाता है, जो अपने लिए अच्छा करते हैं- करोड़पति, नेता, टॉपर, स्टार आदि। इससे ऐसा लगता है कि सिर्फ अपने लिए जीना चाहिए। लेकिन बहुत-से लोगों के आदर्श इससे कहीं ऊंचे होते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आज भी उपेक्षित है राष्ट्रीयता के अग्रदूत की विरासत

सत्यवीर नहरिया

उनके सृजन का एक बड़ा हिस्सा इसी हवेली में आकार लेता रहा। यहां तक कि उनके सर्वाधिक चर्चित 'शिवशंभू के चिट्ठे' के कुछ अंश भी यहीं लिखे गए।

हिंदी गद्य के जनक के रूप में प्रतिष्ठित भारतेंदु युग के सेनापति, यशस्वी साहित्यकार एवं मूर्धन्य पत्रकार स्वर्गीय बाबू बालमुकुंद गुप्त की गुड़ियानी स्थित हवेली आज उपेक्षा और बदहाली का शिकार है। यह हवेली है बाबूजी के जीवन के स्वर्णिम काल, उनके बहुआयामी सृजन और हिंदी पत्रकारिता के उत्कर्ष की साक्षी रही है। इसके बावजूद आज भी यह ऐतिहासिक धरोहर राष्ट्रीय स्मारक नहीं बन पायी है।

रेवाड़ी जिले के कोसली उपमंडल तथा नाहड़ खंड के गांव गुड़ियानी के तिहाग पान्ने में स्थित यह हवेली जाटूसाना रेलवे स्टेशन से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर है। बाबू बालमकुंद गुप्त की यह इकलौती महत्वपूर्ण विरासत अब भी संरक्षण की बाट जोह रही है।

वैसे बाबूजी का जन्म इस हवेली से सटे बढ़ेरा पान्ने की एक अन्य हवेली में हुआ था, जो अब पूरी तरह खंडहर में तब्दील हो चुकी है। गुड़ियानी की इस हवेली का निर्माण स्वयं बाबू बालमुकुंद गुप्त ने करवाया था। इसकी पहली मंजिल उनके द्वारा बनवाई गई, जबकि दूसरी मंजिल का निर्माण उनके पुत्र नवलकिशोर गुप्त ने करवाया। दुमंजिली हवेली का कलात्मक मुख्य द्वार, विशाल चौक, खुला जीना, ऊंचे-ऊंचे कक्ष और प्राचीन स्थापत्य कला के नमूने इसके गौरवशाली अतीत की कहानी कहते हैं। हवेली की वास्तुकला इतनी वैज्ञानिक-कलात्मक थी कि जेठ की दोपहरी में भी इसके कक्षों में प्राकृतिक ठंडक होती है।

इस हवेली का स्वर्णिम काल वह दौर था, जब देशभर में बाबू बालमुकुंद गुप्त की लेखनी की तूती बोलती थी। उर्दू पत्रकारिता से शुरुआत करने के बाद हिंदी पत्रकारिता में उन्होंने अपनी लेखकीय प्रतिभा, निर्भीकता और वैचारिक दृढ़ता का लोहा मनवाया। हिंदी के उन्नायक और परिष्कारक के रूप में उन्हें सम्मान प्राप्त हुआ। निर्भीक पत्रकार, कुशल संपादक, सिद्धहस्त लेखक, तटस्थ समालोचक, सतर्क समीक्षक, भावपूर्ण अनुवादक, ओजस्वी कवि, चुटीले व्यंग्यकार और चिंतनशील निबंधकार के रूप में उनके बहुआयामी व्यक्तित्व ने साहित्य एवं पत्रकारिता जगत में विशिष्ट पहचान बनाई। उस समय साहित्यिक जगत की निगाहें महावीर प्रसाद द्विवेदी और बालमुकुंद गुप्त के बीच होने वाली साहित्यिक बहसों पर टिकी रहती थीं। 'अनस्थिरता' शब्द को लेकर हुई बहस इसका उल्लेखनीय उदाहरण है।

कभी इस हवेली के प्रत्येक कक्ष में देशभर की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं और तत्कालीन साहित्य की दुर्लभ कृतियां सजी रहती थीं। डाकिए प्रतिदिन ढेरों डाक लेकर यहां पहुंचते थे और उतनी ही डाक बाबूजी की ओर से देशभर में भेजी जाती थी। हिंदी और उर्दू के चर्चित रचनाकारों के पत्र, पांडुलिपियां तथा साहित्यिक सामग्री यहां अत्यंत व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित रखी जाती थी।

परतंत्र भारत में हवेली से बाबूजी ने अपने क्रांतिकारी लेखन के माध्यम से देश में आजादी की चेतना जगाने का कार्य किया। उर्दू के अखबार 'अखबारे-चुनार', 'कोहेनूर', 'जमाना', 'अवध-पंच' तथा हिंदी के चर्चित समाचार-पत्र 'हिंदी-बंगवासी', 'हिंदोस्थान' और 'भारतमित्र' के अनेक अंक यहां अनमोल धरोहर के रूप में सुरक्षित रखे गए थे।

कालाकांकर, लाहौर, मथुरा, बनारस और कोलकाता जैसे तत्कालीन पत्रकारिता केंद्रों से जब बाबूजी गुड़ियानी लौटते थे, तो उनके पास ज्यादा दुर्लभ पत्र-पत्रिकाओं होती थी। उनके सृजन का एक बड़ा हिस्सा इसी हवेली में आकार लेता रहा। यहां तक कि उनके सर्वाधिक चर्चित 'शिवशंभू के चिट्ठे' के कुछ अंश भी यहीं लिखे गए। जब किसी समाचार-पत्र के मालिक से मतभेद हो जाते, संपादन से हटना पड़ता या बाबूजी त्यागपत्र देते, तो नए प्रतिष्ठान में कार्यभार संभालने से पहले वे कुछ समय इसी हवेली में बिताते थे। यह उनके जीवन का गहन आत्ममंथन और सृजन का महत्वपूर्ण काल होता था।

जीवन के अंतिम दिनों में अस्वस्थ रहने के बावजूद बाबूजी ने गुड़ियानी लौटने की इच्छा व्यक्त की थी, किंतु उनकी यह अंतिम इच्छा पूरी नहीं हो सकी। कोलकाता से लौटते समय 18 सितंबर, 1907 को दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने एक धर्मशाला में उन्होंने अंतिम सांस ली। बाबूजी के निधन के बाद हवेली के गुमनामी और बदहाली के लंबे दौर की शुरुआत हुई। करीब नौ दशकों तक इसके मुख्य द्वार पर ताला पड़ा रहा। शोध के नाम पर अनेक लोग यहां से अनमोल सामग्री ले गए, जिससे इस धरोहर को अपूरणीय क्षति पहुंची।

कालांतर एक साहित्यिक संस्था की पहल पर बाबूजी के पौत्र सेठ हरिकृष्ण गुप्त ने हवेली का जीर्णोद्धार करवाया। यहां पुनः साहित्यिक गतिविधियों की रौनक लौटने लगी। बाबूजी के प्रपौत्र बिमल गुप्त प्रतिवर्ष 18 सितंबर को यहां उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने गत वर्ष हिंदी दिवस के अवसर पर हवेली की रजिस्ट्री हरियाणा सरकार के नाम कर दी है। आखिर कब यह ऐतिहासिक धरोहर राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा प्राप्त कर पाएगी?

पहले लत लगाओ, फिर जमकर कमाओ

कोई सुविधा 'बिलकुल मुफ्त' मिले तो खुश होने से पहले एक सवाल जरूर पूछिए—कहीं ऐसा तो नहीं कि आज जो मुफ्त है, उसकी कीमत कल आपकी आदत वसूलने वाली है? यूपीआई पर शुल्क और शुल्क पर भी जीएसटी की खबर ने कलमदास को कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया है। 'पहले आदत लगाओ, फिर जमकर कमाओ'—यह कोई घोषित स्लोगन नहीं है। न जाने कब से कमाई के दीवानों का यह मौन-मंत्र चला आ रहा है। इसे न मंच से बोला जाता है, न विज्ञापन में लिखा जाता है; बस मन ही मन दोहराया जाता है और पूरी निष्ठा से अमल में लाया जाता है। सुना है, एक जमाने में लोगों को मुफ्त में चाय पिलाई जाती थी। लोगों ने बड़े चाव से पी। फिर चाय पीने की आदत लगी और चाय बिकने लगी। लोगों को शायद लगा भी होगा कि यह लत गलत लग गई है। मगर लत ही क्या, जिसे गलत समझ लेने भर से छोड़ा जा सके! आज चाय केवल पेय नहीं, जीवनशैली है। सुबह की शुरुआत चाय से होती है और कई महत्वपूर्ण फैसले भी उसके साथ ही होते हैं। वैसे गुरुत्वाकर्षण से कम शक्तिशाली 'मुफ्ताकर्षण' भी नहीं होता। मुफ्त का आकर्षण ऐसा है कि उसकी ओर खिंचने के लिए किसी को बहुत समझाने की जरूरत नहीं पड़ती। आनंद बख्शी ने 'शमा-परवाना' के माध्यम से एक अलग तरह के आकर्षण का वर्णन किया था। शमा मना करती रही, पर परवाना जलने के लिए चला आया। मुफ्त के मामले में तो शमा मना भी नहीं करती। वह तो हाथ फैलाकर बुलाती है—आइए, बिलकुल मुफ्त है! यही 'बिलकुल' मुफ्त को और आकर्षक बना देता है।

चाय का उदाहरण अब पुराना हो चुका है। कुछ वर्ष पहले मुफ्त डेटा ने मोबाइल उपभोक्ताओं को ऐसा आकर्षित किया कि डेटा उनकी जरूरत से बढ़कर आदत बन गया। आज स्थिति यह है कि आटे से अधिक चिंता डेटा की होती है। कोई व्यक्ति भूखा रह सकता है, लेकिन 'बे-डाटा' रहना कठिन है। फिर मुफ्त होम डिलीवरी आई। पहले दरवाजे तक सामान बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के पहुंचने की आदत डाली गई। जब आदत पक्की हो गई तो डिलीवरी शुल्क धीरे-धीरे प्रकट होने लगा। अब मुफ्त की दुनिया में नई-नई संभावनाएं दिखाई देती हैं। जो सुविधा कल तक मुफ्त थी, उसके साथ आज कोई छोटा-सा शुल्क जुड़ जाता है। कल वही शुल्क बड़ा हो सकता है और परसों उसके ऊपर कोई नया शुल्क भी आ सकता है। उपभोक्ता तब याद करता है कि कभी यह सब मुफ्त था।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में अतिरिक्त एसी थ्री कोच

भिलाई। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफ़र्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 18030/18029 शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी थ्री कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। यह सुविधा गाड़ी संख्या 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस में दिनांक 19, 20, 21, 22, 23, 24 एवं 25 सितम्बर 2026 को तथा गाड़ी संख्या 18029 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में दिनांक 21, 22, 23, 24, 25, 26 एवं 27 सितम्बर 2026 को उपलब्ध रहेगी। इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे।

आईपीआर एवं डेटा विश्लेषण पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

दुर्ग। शासकीय वाईटीपीजी स्वशासी महाविद्यालय के जूलॉजी विभाग द्वारा आईक्यूएसी एवं आईआईसी के बैनर तले तथा रूसा के प्रायोजन में आईपीआर एवं डेटा विश्लेषण विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी , रायपुर के साइंटिस्ट - 'डी' डॉ. अमित दुबे मुख्य अतिथि एवं प्रथम दिवस के रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ. अभिषेक सुराना ने की। वहीं स्वायत्त प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. जगजीत कौर सलूजा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

शिविर में 81 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन

भिलाई। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सहयोग से दिव्यांगजनो एवं वरिष्ठजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण प्रदाय करने शिविर का आयोजन नगर पालिक निगम दुर्ग, भिलाई, रिसाली एवं जनपद पंचायत में आयोजित किया गया। उप संचालक समाज कल्याण दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार आयोजित शिविर में कुल 81 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन किया गया।

निधन

सतीश चंद्र सिंह

भिलाई। क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर के आजीवन सदस्य नागपुर निवासी सतीश चंद्र सिंह का आज संध्या इलाज के दौरान नागपुर में निधन हो गया वे 68 साल के थे। उनका अंतिम संस्कार 18 सितंबर को नागपुर में किया गया। वे श्रीमती सुधा सिंह के पति, अभिषेक सिंह अनुज सिंह के पिता भिलाई नगर निगम के वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के. के. सिंह के बड़े भाई थे।

सेवा संकल्प अभियान : 1.25 लाख दीपों से जगमग हुआ शहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग/भिलाई। राज्य शासन द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 'हर घर में एक दीप जले, विकास के नाम' का संदेश देते हुए जिले में दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन आज शाम 6 बजे रक्षित आरक्षी पुलिस केंद्र मैदान, पुरानी पुलिस लाइन, दुर्ग में हुआ। इस अवसर पर उक्त स्थल पर 1.25 लाख दीप प्रज्वलित किए गए।

इसी कड़ी में जिले की चिन्हांकित 30 ग्राम पंचायतों में 30 हजार दिये, नगर निगम दुर्ग द्वारा 30 हजार दिये, नगर निगम भिलाई चरोदा द्वारा 05 हजार दिये, नगर निगम भिलाई द्वारा एक लाख 25 हजार दिये, नगर निगम रिसाली द्वारा 51 हजार आशीर्वाद के दिये प्रज्जवलित किये गए। इसी प्रकार विकासखंड दुर्ग की ग्राम पंचायतों में प्रत्येक घर में अनुमानित 75 हजार दिये, विकासखंड धमधा में प्रत्येक घर में अनुमानित एक लाख 20 हजार दिये तथा विकासखंड पाटन के ग्राम पंचायत अंतर्गत प्रत्येक घर अनुमानित एक लाख 10 हजार आशीर्वाद के दिये जलाए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना

विकास की गति को आगे बढ़ाने में जुटे हैं पीएम मोदी

से लाभान्वित परिवार भी अपने नए घरों में दीप जलाकर इस अभियान में सहभागिता दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगदान को स्मरण करते हुए मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल की उपस्थिति में प्रधानमंत्री के जन्मदिन के शुभ अवसर पर सवा लाख दीप प्रज्वलित किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाई-बहन, युवा साथी और नागरिक एक साथ एकत्रित हुए तथा प्रधानमंत्री के स्वस्थ, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना की। इस अवसर पर सांसद श्री बघेल ने पूरे प्रदेशवासियों को विश्वकर्मा जयंती की भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करते हुए देश की प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी शुभेच्छाएं व्यक्त कीं।

सांसद बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निरंतर सेवा और समर्पण की भावना के साथ देश को नई दिशा देने और विकास की गति को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं। चाहे स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, सुरक्षा, शिक्षा अथवा अन्य क्षेत्रों में विकास की बात हो, उन्होंने निरंतर देश की प्रगति के लिए कार्य किया है। कोरोना महामारी जैसे कठिन दौर में भी देश के सामने अनेक चुनौतियां थीं। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने आत्मविश्वास के साथ परिस्थितियों का सामना किया। उनके प्रयासों से देश में वैक्सीन का निर्माण हुआ और बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया गया। भारत ने न केवल अपने नागरिकों को कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन उपलब्ध कराई, बल्कि जरूरत के समय अनेक देशों को भी वैक्सीन की आपूर्ति कर वैश्विक स्तर पर सहयोग की भावना का परिचय दिया।

भारत ने बनाई विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान

सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाई। आज भारत अनेक भाषाओं, क्षेत्रों और विविधताओं के बावजूद एकता के सूत्र में बंधा हुआ है। यही देश की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में दीप प्रज्वलित किए जा रहे हैं। छोटी नन्ही बच्ची ने आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में एक दीया जलाकर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभी ने मिलकर आर्शीवाद का दीप जलाया और पीएम मोदी के दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर एक छोटी बच्ची द्वारा जलाया गया एक दीपक लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहा। कार्यक्रम में संभाग आयुक्त एसएन राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल एवं अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी सहित समस्त विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के साथ आम नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बैकुंठ धाम तालाब के किनारे रोशन हुए सवा लाख आशीर्वाद के दीप

भिलाई। शासन के आदेशानुसार आयोजित सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत भिलाई में श्रद्धा, उत्साह एवं जनभागीदारी का भव्य दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम के तहत बैकुंठ धाम तालाब में 1.25 लाख आशीर्वाद के दीयों से दीप प्रज्वलित किए गए, वहीं सिविक सेंटर में भी वृहत पैमाने पर दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। हजारों दीपों की रोशनी से शहर भव्य और वातावरण आकर्षक नजर आया।

इस अवसर पर विधायक वैशाली नगर रिकेश सेन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय, पूर्व राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय, नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरुचि सिंह, जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, जोन अध्यक्ष जालंधर सिंह, जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, सहित पार्षद लक्ष्मी दिवाकर, विनोद सिंह, प्रियंका साहू, एन शैलजा, स्मिता दौड़के, वीणा चंद्राकर एवं गिरजा बंछोर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में शहरवासी भी शामिल हुए। बैकुंठ धाम तालाब परिसर में एक साथ बड़ी संख्या आशीर्वाद के दिया के रूप में दीप प्रज्वलित किए जाने से पूरा परिसर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। वहीं सिविक सेंटर अर्जुन रथ उद्यान में सांसद विजय बघेल, पूर्व विधान सभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय वृहद दीप प्रज्वलन ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सेवा, सामाजिक एकजुटता और जनभागीदारी का संदेश दिया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत युवाओं ने किया रक्तदान 50 यूनिट रक्त संग्रहित

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर आयोजित शिविर में युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत दुर्ग स्थित जिला कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए लगभग 50 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले युवाओं को कार्यक्रम के पश्चात प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। जरूरत के समय रक्त की उपलब्धता किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। युवाओं द्वारा आगे बढ़कर रक्तदान करना समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और सेवा भावना को दर्शाता है।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने रक्तदान करने वाले युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान जरूरतमंद के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। युवाओं का इस पुनीत कार्य के लिए आगे आना समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। श्री सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से विभिन्न जनसेवा गतिविधियों को आगे बढ़ाया जा रहा है। रक्तदान शिविर में युवाओं की सक्रिय भागीदारी यह संदेश देती है कि जनभागीदारी के माध्यम से सेवा कार्यों को व्यापक स्वरूप दिया जा सकता है। शिविर में हिमांशु सिंह, हर्ष लोढ़ा, अब्दुल्ला कुरैशी, हर्ष चंदेल, उमेश कोटवानी, राम फुटान, तुषार सोनी, सोमू सारथी, तुषार राजपूत, गौरव चन्द्रनिया, शुभम दत्ता सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया।

बलराम जयंती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, किसानों को फसल विविधीकरण और कीट प्रबंधन पर दी गई जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग के निर्देशानुसार, भगवान बलराम जयंती को ष्किसान दिवसष् के रूप में मनाते हुए आत्मा योजनांतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, अंजोरा, दुर्ग में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण एवं संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रगतिशील कृषकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विज्ञान केन्द्र अंजोरा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विकास खांडे ने की। उन्होंने कृषकों को संबोधित करते हुए फसल विविधीकरण, कीट प्रबंधन एवं दलहन-तिलहन उत्पादन, प्राकृतिक खेती, जैविक खाद के उपयोग तथा कम लागत में उन्नत कृषि द्वारा अधिक उत्पादन प्राप्त करने के वैज्ञानिक उपायों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री बलराम जी की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस. के थापक ने खरीफ फसलों में कीट-व्याधि प्रबंधन, पौध संरक्षण से संबंधित जानकारी तथा वैज्ञानिक डॉ. आर. के. गड़पाइले ने पशुपालन, पशु आहार प्रबंधन एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के प्रभावी उपाय व वैज्ञानिक डॉ. उमेश कुमार पटेल ने मिट्टी परीक्षण का महत्व, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन एवं टिकाऊ खेती के उपाय, वैज्ञानिक डॉ. रोशन साहू ने उद्यानिकी फसलों में कीट व रोग प्रबंधन तथा उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादन तकनीक एवं वैज्ञानिक डॉ. निशा शर्मा ने कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन एवं खाद्य प्रसंस्करण की उन्नत विधियां के बारे में कृषकों को जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान कृषकों के साथ खुली परिचर्चा एवं प्रश्नोत्तरी सत्र का भी आयोजित किया गया। वैज्ञानिकों के दल ने प्राकृतिक कीटनाशक, संतुलित पोषण एवं वैज्ञानिक प्रबंधन के आधार पर कृषकों की सभी शंकाओं व समस्याओं का संतोषजनक समाधान किया।

आयुक्त ने सीएंडडी प्लांट, गौठान सहित विभिन्न स्थलों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, अफसरों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने गुरुवार को जोन-1 नेहरू नगर क्षेत्र का सघन निरीक्षण कर विभिन्न विकास कार्यों एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने तथा लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने नेहरू नगर स्थित एस एल आर एम सेंटर में निर्माणाधीन सी एंड डी प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए इसे जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के निर्देश दिए, ताकि सॉलिड वेस्ट प्रबंधन का कार्य आसान हो और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इसके पश्चात उन्होंने राधिका नगर स्थित स्लाटर हाउस में स्थापित मशीन का भी निरीक्षण किया तथा आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। आयुक्त ने बैकुण्ठधाम तालाब का निरीक्षण कर वहां स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर कार्यरत स्वच्छता दीदियों से मुलाकात कर उनके कार्यों की जानकारी ली तथा तालाब परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। सायं सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्ज्वलन किया जाना है, जिसकी तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का भी उन्होंने मौके पर निरीक्षण किया।

इसी क्रम में आयुक्त ने कोसा नगर स्थित गौठान का निरीक्षण किया। उन्होंने गौठान में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर रखने, मवेशियों के लिए पर्याप्त चारा एवं पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने गौठान में आवश्यक व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने पर भी जोर दिया। आयुक्त ने खेल परिसर का भी अवलोकन किया, उन्होंने स्विमिंग पूल, हॉर्स राइडिंग, स्केटिंग ट्रैक एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्यों को जल्द करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को खेल एवं अन्य गतिविधियों के लिए सुविधायुक्त परिसर उपलब्ध कराया जा सके। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, नितेश मेश्राम, सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, श्वेता वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा आदि उपस्थित रहे।

भिलाई निगम की वाहन शाखा में विराजे भगवान विश्वकर्मा, विधिविधान से हुई पूजा

■ महापौर, आयुक्त व सभापति सहित अधिकारी-कर्मचारी हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासन के निर्देशानुसार आयोजित सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत नगर पालिक निगम भिलाई की वाहन शाखा परिसर में भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर विधिवत पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर नीरज पाल, निगम आयुक्त सुरूचि सिंह, सभापति गिरवर बंटी साहू, महापौर परिषद सदस्य सीजू एंथोनी सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महापौर, निगम आयुक्त एवं सभापति सहित उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भगवान विश्वकर्मा की विधिवत पूजा-अर्चना कर शहर की सुख-समृद्धि तथा निगम परिवार के मंगलमय जीवन की कामना की। साथ ही निगम के वाहनों एवं विभिन्न मशीनरी के सुचारू, सुरक्षित एवं निर्बाध संचालन के लिए भगवान विश्वकर्मा से आशीर्वाद प्राप्त किया।

पूजा-अर्चना के उपरांत उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में निगम के वाहन शाखा से जुड़े कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस दौरान सभी के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई थी।

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, शिल्प, तकनीक एवं यांत्रिकी का देवता माना जाता है। निगम की वाहन शाखा में आयोजित इस पूजा-अर्चना के माध्यम से कर्मचारियों ने अपने कार्यक्षेत्र में सुरक्षित एवं सुचारू कार्य संचालन, वाहनों एवं मशीनरी की बेहतर कार्यक्षमता तथा शहर की सेवा व्यवस्था निरंतर बनाए रखने के लिए भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

निदेशक प्रभारी ने कर्मचारियों को दी विश्वकर्मा पूजा की बधाई

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों का भ्रमण कर विश्वकर्मा पूजा में सम्मिलित हुए। संयंत्र भ्रमण का प्रारंभ करते हुए निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने निदेशक प्रभारी सचिवालय, सी एंड आईटी विभाग में विश्वकर्मा पूजा में भाग लेकर एचआरडी, परियोजना, वित्त, एसईडी, सामग्री प्रबंधन, एमआरडी, प्लेट मिल, एसएमएस-2, आरईडी व एलडीसीपी, इलेक्ट्रिकल, ओएचपी तथा सिंटर प्लांट-3 विभागों में जाकर पूजा-अर्चना की व सयंत्र बिरादरी को बधाई प्रेषित की। इसके उपरांत कार्यपालक निदेशकों व अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण के साथ श्री महापात्र ने यूआरएम, आरएसएम, एमडब्ल्यूआरएम, बीआरएम, सर्विसेज, मैकेनिकल एंड शॉप्स, आरसीएल, एसएमएस-3, पीएनबीएस, पर्यावरण प्रबंधन एवं आई एंड ए, ब्लास्ट फर्नेस, उपयोगिताएँ, कोक ओवन तथा फायर ब्रिगेड विभाग में आयोजित विश्वकर्मा पूजा में उपस्थित होकर भगवान विश्वकर्मा से संयंत्र के उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने सभी कर्मचारियों को विश्वकर्मा पूजा की बधाई देते हुए संयंत्र की सतत प्रगति, उत्पादन में उत्कृष्टता तथा सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

ग्राफ्टेड बैंगन की खेती से गौरव की बढ़ी आमदनी

महासमुन्द। बागबाहरा विकासखण्ड के ग्राम गुलझर के कृषक गौरव कुठारे ने ग्राफ्टेड बैंगन की खेती से बेहतर आमदनी अर्जित की है। श्री कुठारे बताते हैं कि वे पारंपरिक धान की खेती के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाकर अपने 1.60 हेक्टेयर प्रक्षेत्र में वर्षभर टमाटर, बैंगन, सेम एवं गेंदा जैसी फसलों की खेती कर रहे हैं। ड्रिप और मल्चिंग जैसी नवीन तकनीकों के उपयोग से उन्हें उत्पादन लागत नियंत्रित करने के साथ बेहतर उत्पादन प्राप्त हो रहा है। वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के घटक ग्राफ्टेड बैंगन, टमाटर सीडलिंग प्रदर्शन के अंतर्गत उन्हें एक एकड़ में ग्राफ्टेड बैंगन फसल के लिए 30 हजार रुपए का अनुदान डीबीटी के माध्यम से प्राप्त हुआ। करीब 23 टन उत्पादन प्राप्त हुआ, जिससे ढाई लाख से अधिक की आमदनी प्राप्त हुई।

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन 30 तक

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान करने के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कक्षा 1वीं से 12वीं तक अध्ययनरत दिव्यांग छात्र-छात्राएं 30 सितंबर 2026 तक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने के लिए विद्यार्थियों को सर्वप्रथम नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके पश्चात अप्लाई टू स्कॉलरशिप विकल्प में लॉगिन कर आधार का सत्यापन एवं आवश्यक जानकारी दर्ज करते हुए आवेदन पूर्ण करना होगा। मूल निवास प्रमाण-पत्र, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र तथा पूर्व वर्ष की अंकसूची प्रस्तुत करना होगा।

जल संसाधन विभाग की लंबी छलांग

25 साल में 4458 हेक्टेयर से बढ़कर 25936 हेक्टेयर हो गई सिंचाई क्षमता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में जल संसाधन विभाग की 25 वर्षों की विकास यात्रा ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र में आए महत्वपूर्ण बदलावों को रेखांकित करती है। राज्य निर्माण के बाद जिले में सिंचाई अधोसंरचना के विस्तार से सिंचाई क्षमता 4,458 हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2026 में 25,936 हेक्टेयर हो गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

1 नवंबर 2000 से पूर्व जिले में कुल 28 जल संसाधन परियोजनाएं निर्मित थीं। इनमें 17 जलाशय, 4 व्यपवर्तन योजनाएं, 2 स्टॉप डेम और 5 एनीकट शामिल थे। इन परियोजनाओं से मात्र 4,458 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो पाती थी। सिंचाई के सीमित साधनों के कारण कृषि मुख्यत: मानसूनी वर्षा पर निर्भर थी।

25 वर्षों में 57 नई परियोजनाओं का निर्माण

राज्य गठन के पश्चात जल संसाधन विभाग ने चरणबद्ध तरीके से सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया। पिछले 25 वर्षों में जिले में 57 नई जल संसाधन परियोजनाओं का निर्माण पूर्ण किया गया। पूर्व की 28 परियोजनाओं और नई 57 परियोजनाओं को मिलाकर जिले में कुल 85 जल संसाधन योजनाओं का आधार तैयार हुआ है।

पुरानी नहरों के जीर्णोद्धार और विस्तार के साथ दूर-दराज के खेतों तक पानी पहुंचाने के प्रयास किए गए। कम पानी में अधिक क्षेत्र में सिंचाई के लिए माइक्रो एवं लिफ्ट इरिगेशन को बढ़ावा दिया गया। सोलर पंप और डिजिटल तकनीक के उपयोग से जल वितरण की निगरानी जैसे नवाचार भी किए गए। इसके साथ ही नदियों के संरक्षण, एनीकट निर्माण और भू-जल संवर्धन की दिशा में भी कार्य किया गया।

जल संसाधन विभाग के प्रयासों का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम जीपीएम की सिंचाई क्षमता में दिखाई देता है। राज्य गठन के समय जहां 4,458 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई संभव थी, वहीं वर्ष 2026 तक यह क्षमता बढ़कर 25,936 हेक्टेयर हो गई है। इस प्रकार 25 वर्षों में सिंचाई क्षमता में 21,476 हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि राज्य गठन के समय की तुलना में छह गुना से अधिक है।

सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि की तस्वीर में बदलाव आया है। खेतों में पानी की उपलब्धता बढ़ने से किसानों को स्थानीय स्तर पर कृषि गतिविधियों को आगे बढ़ाने और बहुफसलीय खेती की दिशा में बढ़ने का अवसर मिला है। सिंचाई का दायरा बढ़ने से कृषि उत्पादन में सुधार तथा ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाली और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। जीपीएम जिले की प्रमुख जल संरचनाओं में ग्राम देवरगांव का मलनिया जलाशय, ग्राम आंदुल का जोगीडोंगरी जलाशय तथा ग्राम बनझोरका का एनीकट शामिल हैं। ये जल संरचनाएं जिले में विकसित जल अधोसंरचना और जल संरक्षण के प्रयासों को प्रदर्शित करती हैं।

जीपीएम में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के साथ जल के बेहतर उपयोग और संरक्षण पर भी ध्यान दिया गया है। माइक्रो एवं लिफ्ट इरिगेशन, सोलर पंप तथा डिजिटल तकनीक के उपयोग से जल प्रबंधन को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। नदियों के संरक्षण, एनीकट निर्माण और भू-जल संवर्धन जैसे प्रयास जल की उपलब्धता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन में जल, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती को महत्वपूर्ण आधार माना गया है। इसी व्यापक दृष्टि के अनुरूप जल संसाधनों का बेहतर उपयोग, सिंचाई अधोसंरचना का विस्तार और आधुनिक तकनीक का समावेश ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का जोर भी प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और किसानों के लिए बेहतर अवसर तैयार करने पर है। जीपीएम में जल संसाधन विभाग की उपलब्धियां इस दिशा में जिले में हुए अधोसंरचनात्मक विस्तार को दर्शाती हैं।

नई योजनाओं से सिंचाई क्षमता में और विस्तार की उम्मीद

जिले में वर्तमान में भी कई नई सिंचाई योजनाएं निर्माणाधीन हैं। इनके पूर्ण होने के बाद सिंचाई क्षमता में और विस्तार होगा। इससे कृषि क्षेत्र को अतिरिक्त आधार मिलेगा और जल प्रबंधन की अधोसंरचना और मजबूत होगी। जल संसाधन विभाग की 25 वर्षों की यह यात्रा केवल जल संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खेतों तक पहुंचते पानी, बढ़ती कृषि संभावनाओं, ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ते कदमों की विकास गाथा भी है। गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले की यह उपलब्धि जल संरक्षण, सिंचाई विस्तार और जनकल्याण को विकास के साथ जोड़ने की दिशा में किए गए निरंतर प्रयासों को रेखांकित करती है।

बैगा बच्चों के बीच पहुंची बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष

गुड टच-बैड टच से लेकर बाल विवाह तक अनेक मुद्दों पर की बच्चों से चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने कवर्धा जिले के दौरे के दौरान दूरस्थ विशेष जनजातीय क्षेत्र बैरख में 'बाल चौपाल 2.0' आयोजित कर बच्चों से सीधे संवाद किया। उन्होंने बच्चों के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और उनकी आवश्यकताओं को लेकर जानकारी ली।

इस दौरान विभिन्न शैक्षणिक एवं आवासीय संस्थानों का निरीक्षण करने के साथ जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर सभागृह में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बाल अधिकारों एवं विभागीय योजनाओं की समीक्षा की।

डॉ. शर्मा ने बच्चों को अपनी बात बिना झिझक रखने के लिए प्रोत्साहित किया और संस्थानों में नियमित काउंसलिंग की व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

आयोग अध्यक्ष ने आदिवासी बालक आश्रम बैरख सहित विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, भंडार गृह की व्यवस्था, शिक्षकों की उपलब्धता तथा मलेरिया से बचाव की व्यवस्थाओं में कमियां सामने आने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। मलेरिया से बचाव के लिए नई मच्छरदानियां उपलब्ध कराने तथा शिक्षकों की कमी के संबंध में आवश्यक पत्राचार कर आयोग को अवगत कराने के निर्देश दिए गए। हाई स्कूल में विज्ञान विषय के उपकरणों की कमी एवं व्यवस्थाओं में सुधार के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए गए। शासकीय बालक गृह कवर्धा के निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने बच्चों के साथ रात्रि भोजन किया और बाल गृह के एक बच्चे का जन्मदिन भी मनाया।

प्रतिभाशाली होते हैं जनजातीय बच्चे : डॉ वर्णिका

डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि जनजातीय अंचल के बच्चे प्रतिभाशाली और होनहार हैं। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीकी संसाधन और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराकर उनके भविष्य को और बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को डिजिटल संसाधनों से जोड़ने तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से उनके सीखने के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया। बच्चों के साथ संवाद कर उनकी पढ़ाई, रुचियों, समस्याओं और भविष्य के लक्ष्यों की जानकारी ली। क्विज एवं बाल अधिकारों पर आधारित सांप-सीढ़ी जैसे रोचक खेलों के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। गुड टच-बैड टच, चाइल्ड हेल्पलाइन, बाल विवाह सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी बच्चों से चर्चा की गई।

विद्यार्थियों संग मनाया प्रधानमंत्री का जन्मदिन

एकलव्य आवासीय विद्यालय तरेगांव में आयोग अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने विद्यार्थियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संघर्ष और राष्ट्र के प्रति समर्पण से प्रेरित होने की बात कही तथा भविष्य में राष्ट्र सेवा में योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया। डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनके भविष्य के लक्ष्यों और समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों की नियमित काउंसलिंग प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

आशीर्वाद के एक लाख दीपों से जगमग हो गया शिवरीनारायण का महानदी तट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जांजगीर-चांपा जिले में आज सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना का भव्य प्रदर्शन हुआ।

शिवरीनारायण स्थित पावन महानदी तट पर आयोजित 'आशीर्वाद का दीप' कार्यक्रम में एक लाख दीप प्रज्वलित किए गए। एक साथ जगमगाए दीपों से महानदी घाट का दृश्य आलोकित हो उठा और सेवा, समर्पण तथा विकसित भारत के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचा।

कार्यक्रम में बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर पवन साय, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व संसदीय सचिव अम्बेश जांगड़े, राजर्षि महंत राम सुंदर दास, नगर पंचायत शिवरीनारायण अध्यक्ष राहुल थवाईत, कलेक्टर जन्मेजय महोबे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में जिलेवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महानदी घाट पर महाआरती का भी आयोजन किया गया। विधि-विधान एवं श्रद्धा के साथ संपन्न महाआरती से पूरा घाट भक्तिमय वातावरण से भर उठा।

विधायक अमर अग्रवाल ने भगवान विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'आशीर्वाद का दीप' के माध्यम से जनभागीदारी का यह आयोजन सेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। भारतीय संस्कृति और विरासत को आगे बढ़ाने तथा राष्ट्र के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

चक्रधर समारोह में बस्तर के कलाकारों का अतिरिक्त सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह के चौथे दिन प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी समारोह में शामिल हुए। उन्होंने दर्शक दीर्घा में बैठकर विभिन्न कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया और कलाकारों का सम्मान किया। समारोह में जाह्नवी बेहरा की ओडिसी प्रस्तुति, बेंगलुरु की शिवरंजनी हरीश तथा बस्तर एकेडमी ऑफ डांस, आर्ट्स एंड लिटरेचर के 'बादल' दल सहित अनेक कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

वित्त मंत्री ने कहा कि चक्रधर समारोह ने रायगढ़ की सीमाओं से आगे बढ़कर देश-प्रदेश और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यह केवल सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय कला, परंपरा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन कला साधकों को मंच देने के साथ-साथ समाज में सांस्कृतिक चेतना को भी मजबूत करते हैं।

श्री चौधरी ने रायगढ़ में कला के प्रति लोगों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि शहर के विभिन्न मोहल्लों में छोटे-छोटे स्थानों पर बड़ी संख्या में बच्चे कथक सहित अन्य शास्त्रीय कलाओं का प्रशिक्षण ले रहे हैं। उन्होंने कला साधकों और गुरुओं के योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनकी साधना से रायगढ़ की सांस्कृतिक पहचान निरंतर मजबूत हो रही है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बस्तर से आए कलाकारों का विशेष रूप से अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर की समृद्ध कला और संस्कृति को रायगढ़ के प्रतिष्ठित मंच पर प्रस्तुत किया जाना दोनों क्षेत्रों के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने बस्तर से अपने पुराने जुड़ाव को भी साझा किया। इस अवसर पर श्री चौधरी ने बस्तर के कलाकारों के लिए अपनी ओर से 51 हजार रुपये की अतिरिक्त सम्मान राशि देने की घोषणा की। श्री चौधरी ने चक्रधर समारोह को सफल बनाने में योगदान देने वाले कलाकारों, गुरुओं, आयोजकों, प्रशासनिक अधिकारियों, सहयोगियों और कलाप्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से रायगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक ऊंचाई प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने रायगढ़ को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सकारात्मक सोच और सामूहिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, महापौर जीवर्धन चौहान, गुरुपाल भल्ला सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में कलाप्रेमी उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ा नया सवेरा महिला स्व सहायता समूह

श्रीकंचनपथ समाचार

महासमुंद। कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहकर परिवार की जिम्मेदारियां निभाने वाली ग्रामीण महिलाएं आज अपने हुनर और मेहनत से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा से प्रेरित आत्मनिर्भर भारत और महिला सशक्तिकरण की भावना को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' महिलाओं को संगठित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन रहा है।

महासमुंद जिले के विकासखंड बसना के ग्राम भंवरपुर में गठित नया सवेरा महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने सामूहिक प्रयास, हुनर और मेहनत के बल पर अपनी आजीविका को मजबूत करते हुए आत्मनिर्भरता की ऐसी बदलाव की कहानी पेश की है, जो गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी नई उम्मीद और प्रेरणा बन रही है।

समूह की महिलाओं ने पारंपरिक कौशल को आजीविका का माध्यम बनाते हुए कोषा साड़ी, शॉल, दुपट्टा, गमछा सहित विभिन्न उत्पाद तैयार किए। बिहान योजना से मिले सहयोग और बाजार उपलब्ध कराने की पहल ने महिलाओं के उत्पादों को स्थानीय स्तर से बाहर निकलकर देश के प्रमुख शहरों तक पहुंचने का अवसर दिया। आज समूह की महिलाएं अपने हुनर के माध्यम से परिवार की आय में सहयोग कर आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ रही हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत गठित नया सवेरा महिला स्व सहायता समूह को जनपद पंचायत बसना के माध्यम से चक्रिय निधि का लाभ प्राप्त हुआ। इस सहयोग ने समूह की आर्थिक गतिविधियों को गति देने में विशेष भूमिका निभाई। महिलाओं ने सामूहिक रूप से अपनी कार्ययोजना तैयार की और अपने पारंपरिक हुनर को व्यवस्थित व्यवसाय का स्वरूप देना शुरू किया। समूह की महिलाओं द्वारा तैयार कोषा साड़ी, शॉल, दुपट्टा, गमछा एवं अन्य उत्पादों की गुणवत्ता और आकर्षक स्वरूप ने ग्राहकों का ध्यान आकर्षित किया। बिहान के माध्यम से समूह का चिन्हांकन कर विभिन्न स्थानों पर आयोजित सरस मेलों में स्टॉल उपलब्ध कराया गया।

नया सवेरा महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने भिलाई, रायपुर, दिल्ली, विशाखापट्टनम और नोएडा में आयोजित सरस मेलों में अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। इन मेलों में ग्राहकों ने समूह द्वारा निर्मित कोषा साड़ी, शॉल, दुपट्टा, गमछा एवं अन्य सामग्री को सराहा और खरीदा। भिलाई में आयोजित सरस मेले में समूह ने 1 लाख 25 हजार रुपए, रायपुर में 1 लाख 1 हजार रुपए, दिल्ली में 78 हजार रुपए, विशाखापट्टनम में 82 हजार 500 रुपए तथा नोएडा में 3 लाख 21 हजार रुपए कुल 7 लाख 7 हजार 500 रुपए की सामग्री का विक्रय किया। इस प्रकार विभिन्न सरस मेलों में समूह के उत्पादों की बिक्री ने महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण के नए अवसर तैयार किए।

'महिला का शरीर कोई पब्लिक प्रॉपर्टी नहीं'

कैटरीना की बॉडी शेमिंग पर भड़कीं सलमान की एक्स सोमी अली

अभिनेत्री कैटरीना कैफगणेश चतुर्थी के अवसर पर पति विक्की कौशल के साथ अंबानी परिवार के आयोजन में शामिल हुई थीं। यहां उनके लुक को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। इस पर सलमान खास की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली ने नाराजगी जाहिर की है।

अंबानी परिवार ने गणेश चतुर्थी पर बप्पा का स्वागत किया। इस आयोजन में कई फिल्मी सितारे शामिल हुए। अभिनेत्री कैटरीना कैफ भी एक्टर पति विक्की कौशल के साथ पहुंचीं। गणपति उत्सव से कैटरीना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। मां बनने के बाद अभिनेत्री का वजन बढ़ गया है, जिसे लेकर उनके लुक में कुछ लोग कमियां निकाल रहे हैं और ट्रोल करने लगे। कैट की ट्रोलिंग का करारा जवाब सोमी अली ने दिया है।

सोमी अली बोलीं- 'आपको एक महिला पर टिप्पणी का हक नहीं'

कैटरीना को उनके बढ़े वजन को लेकर ट्रोल करने वालों को सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड और अभिनेत्री सोमी अली ने जवाब दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। सोमी ने कैटरीना और विक्की की तस्वीर शेयर की है, जो अंबानी इवेंट के दौरान की है। इसके साथ एक लंबा नोट लिखा है।

सोमी अली ने लिखा है, 'किसी महिला का शरीर कोई सार्वजनिक संपत्ति नहीं है। मां बनने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि लोग उसके शरीर पर टिप्पणी करें'।

कहा- 'वे सम्मान की हकदार हैं'

सोमी अली ने आगे लिखा है, 'उस महिला ने इस दुनिया में एक नई जिंदगी को जन्म दिया है। वह महिला सम्मान की हकदार है, मजाक की नहीं। जो लोग स्क्रीन के पीछे छिपकर महिलाओं के शरीर का मजाक उड़ाते हैं, उन्हें बता दें कि उसके शरीर से आपका कोई लेना-देना नहीं है। उस महिला का हुनर, काम और उसकी इंसानियत ही ध्यान देने लायक चीजें हैं। महिलाओं को वैसे ही रहने दें, बिना इस बात पर जोर दिए कि उन्हें कैसा दिखना चाहिए'।

'यह ताकत, बदलाव और मातृत्व की निशानी है'

सोमी अली लिखती हैं, 'जिस महिला के शरीर ने एक नई जिंदगी को पोषण देकर इस दुनिया में लाया हो, उसमें एक खूबसूरती होती है। बच्चे के जन्म के बाद शरीर जैसा भी हो, उसके लिए माफी मांगने की जरूरत नहीं है। यह ताकत, बदलाव और मातृत्व की निशानी है। शायद हमें अपने शब्दों के चुनाव में ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए, खासकर जब हम महिलाओं के बारे में बात कर रहे हों। सुंदरता का कोई एक आकार या समय-सीमा नहीं होती। किसी महिला की कीमत कभी भी इस बात से नहीं गई कि उसका शरीर दूसरों की उम्मीदों पर कितना खरा उतरता है। आइए, महिलाओं के जीने के तरीके, उनके काम करने के तरीके और उनके प्यार का जश्न मनाएं, न कि उन्हें सिर्फ उनके शरीर के आकार तक सीमित कर दें'।

कैट ने नवंबर 2025 में बेटे को दिया जन्म

बता दें कि कैटरीना कैफ ने 7 नवंबर 2025 को बेटे को जन्म दिया। अंबानी परिवार के आयोजन में उपस्थिति दर्ज कराने के बाद उनकी ट्रोलिंग पर फैंस ने भी अभिनेत्री का बचाव किया।

कुछ यूजर्स ने लिखा, 'वे 40 वर्ष की हैं, कोई 20 वर्ष की नहीं हैं। उम्र और मां बनने के साथ एक महिला के शरीर में बदलाव आते हैं'। कुछ फैंस ने लिखा, 'कैटरीना अब भी उतनी ही खूबसूरत हैं। आखिर उन्हें आपके ब्यूटी स्टैंडर्ड में क्यों फिट होना चाहिए?'।

ऑनलाइन हेयर स्ट्रेटनर खरीदने जा रहे हैं तो इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

प्लेट्स का मटेरियल चुनें

हेयर स्ट्रेटनर खरीदते समय सबसे पहले उसके प्लेट्स के मटेरियल पर ध्यान दें। टाइटेनियम, सिरेमिक और टूरमलाइन जैसे मटेरियल सबसे अच्छे होते हैं क्योंकि ये गर्मी को समान रूप से फैलाते हैं और बालों को जलने से बचाते हैं। सिरेमिक प्लेट्स बालों को चिकना रखने में मदद करते हैं, जबकि टाइटेनियम प्लेट्स जल्दी गर्म होते हैं और लंबे समय तक गर्म रहते हैं। टूरमलाइन प्लेट्स भी अच्छे विकल्प होते हैं क्योंकि ये बालों को चमकदार बनाते हैं।

तापमान नियंत्रण होना चाहिए जरूरी

सही तापमान नियंत्रण वाला हेयर स्ट्रेटनर आपके बालों की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। ऐसे स्ट्रेटनर चुनें, जिनमें तापमान सेटिंग्स हों ताकि आप अपने बालों के प्रकार और जरूरतों के अनुसार तापमान सेट कर सकें। कम तापमान पर हल्के और पतले बालों के लिए, जबकि ज्यादा तापमान पर घने और कड़े बालों के लिए काम करना चाहिए। इससे आपके बालों को नुकसान नहीं होगा और वे स्वस्थ रहेंगे।

प्लेट्स का आकार देखें

हेयर स्ट्रेटनर का आकार भी महत्वपूर्ण होता है। अगर आपके बाल मोटे और घने हैं तो चौड़े प्लेट्स वाला स्ट्रेटनर लें ताकि एक बार में ज्यादा बाल स्ट्रेटन हो सकें, वहीं अगर आपके बाल पतले या बारीक हैं तो पतले प्लेट्स वाला स्ट्रेटनर बेहतर रहेगा क्योंकि इससे छोटे हिस्सों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। इसके अलावा छोटे और मध्यम आकार के बालों के लिए भी अलग-अलग आकार के स्ट्रेटनर उपलब्ध होते हैं।

सुरक्षा सुविधाएं हों उपलब्ध

बालों को सीधा करते समय सुरक्षा सुविधाएं बहुत अहम होती हैं। ऐसे हेयर स्ट्रेटनर चुनें, जिनमें ऑटोमैटिक बंद होने का फीचर हो ताकि लंबे समय तक उपयोग न करने पर यह अपने आप बंद हो जाएं। इससे आग लगने जैसी घटनाओं से बचाव होता है। इसके अलावा हीट-प्रूफ टिप्स भी होनी चाहिए ताकि आप आसानी से इसे पकड़ सकें बिना जलने के खतरे के। इन सुविधाओं से आपका अनुभव सुरक्षित और आरामदायक रहेगा।

ब्रांड और रिव्यूज पर दें ध्यान

जब आप ऑनलाइन हेयर स्ट्रेटनर खरीद रहे हों तो ब्रांड का चयन सोच-समझकर करें। अच्छे ब्रांड्स आमतौर पर गुणवत्ता और सेवा में बेहतर होते हैं। साथ ही ग्राहकों द्वारा लिखे गए रिव्यूज पढ़ें ताकि आपको उत्पाद की वास्तविकता पता चल सके। इससे आपको सही जानकारी मिलेगी और आप गलत चयन से बच सकेंगे।

रोहित रॉय के डस्टबिन मीडियम वाले बयान से चाहत खन्ना सहमत

बोलीं- कहानी और क्रिएटिविटी में टीवी कहीं नहीं

एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने टीवी इंडस्ट्री को लेकर चल रही बहस के बीच रोहित रॉय के हालिया विवादित बयान पर अपनी राय रखी है। रोहित ने अपने एक इंटरव्यू में टीवी को डस्टबिन मीडियम तक कह दिया था और मौजूदा टीवी कंटेंट की क्वालिटी, कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। अब चाहत खन्ना ने भी माना है कि अगर बात कहानी और क्रिएटिविटी की हो तो टीवी इस समय फिल्मों और ओटीटी से काफी पीछे है। हालांकि, चाहत ने यह भी साफ किया कि उन्होंने रोहित का पूरा इंटरव्यू नहीं देखा है, इसलिए वह उनके पूरे बयान पर कमेंट नहीं करना चाहतीं। चाहत ने कहा, मैं खुद टीवी से आई हूं और इस माध्यम की बहुत इज्जत करती हूं। टीवी ने मुझे एक एक्टर के तौर पर मजबूत बनाया है। कई बार 12 से 15 घंटे तक शूट करना सामान्य बात लगती है। फिल्मों में काम करने का तरीका अलग है और वहां क्रिएटिविटी को अलग तरह से ट्रीट किया जाता है। वहीं ओटीटी में भी कहानी की डिटेलिंग और क्रिएटिविटी का तरीका टीवी से काफी अलग है।

एक्ट्रेस ने रोहित रॉय की बात के उस हिस्से से सहमति जताई, जिसमें उन्होंने टीवी के मौजूदा कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। चाहत ने कहा, अगर कहानी और क्रिएटिविटी की बात की जाए तो टीवी को अभी काफी आगे जाने की जरूरत है। टीवी का कंटेंट मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। दर्शक जिस तरह की कहानियां और शोज देखना चाहते हैं, मेकर्स भी उसी डिमांड के हिसाब से कंटेंट बनाते हैं। यह पूरी तरह बिजनेस का हिस्सा है। अगर किसी तरह का कंटेंट बड़ी संख्या में लोग देख रहे हैं, तो उसे बार-बार बनाए जाने के पीछे एक मार्केट डिमांड भी होती है। चाहत ने अपने करियर का उदाहरण देते हुए बताया, मुझे कई ऐसे टीवी शोज के ऑफर मिलते हैं, जिनसे मैं खुद कनेक्ट नहीं कर पाती। खासतौर पर नागिन जैसे शोज, जिनसे मैं जुड़ नहीं पाती। अगर कोई एक्टर क्रिएटिव है तो उसके लिए टीवी के कुछ मौजूदा कॉन्सेप्ट से जुड़ना मुश्किल हो सकता है।

चाहत ने आगे कहा, अगर मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स से जुड़ पाती तो शायद करियर के लिए चीजें और बेहतर होती। जो चीज मुझे पसंद आती है और जिससे मैं खुद जुड़ाव महसूस करती हूं, वही काम करना मेरे लिए ज्यादा जरूरी है।

गौरतलब है कि रोहित रॉय ने हाल ही में एक इंटरव्यू में टीवी और फिल्मों के बीच के फर्क पर बात की थी। टीवी के पॉपुलर चेहरों में शामिल रहे रोहित ने कहा था कि मौजूदा समय में टीवी पर आने वाला काफी कंटेंट जल्दी भुला दिया जाता है और कई शोज में एक जैसे कॉन्सेप्ट दोहराए जाते हैं। उन्होंने टीवी को डस्टबिन मीडियम बताते हुए इसकी क्रिएटिविटी पर सवाल उठाया था।

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो सकता है केसर बादाम का दूध, जानिए इसके 5 फायदे

केसर बादाम के दूध का सेवन करने से शरीर को भरपूर ऊर्जा मिलती है और यह कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें मौजूद केसर और बादाम के कारण इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। केसर बादाम दूध का सेवन सभी उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद है। इस लेख में हम केसर बादाम के दूध के कुछ स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानेंगे, जो आपके जीवनशैली को और बेहतर बना सकते हैं।

पाचन को बेहतर बनाने में सहायक

केसर बादाम दूध का सेवन पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

इसमें मौजूद केसर और बादाम पाचन के लिए जरूरी तत्वों को सक्रिय करते हैं, जिससे खाना सही तरीके से पचता है।

इसके अलावा इसमें मौजूद फाइबर भी पाचन प्रक्रिया को सुधारने में मदद करता है। इस पेय का नियमित सेवन कब्ज, पेट की समस्याओं और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है।

दिल को स्वस्थ रखने में मददगार

दिल के लिए भी केसर बादाम दूध का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद अच्छे वसा दिल की बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं।

इसके अलावा इसमें ऐसे तत्व होते हैं, जो रक्त के प्रवाह को बेहतर बनाते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित रखने में सहायक हैं।

नियमित रूप से इस पेय का सेवन करने से दिल की समस्याओं का खतरा भी कम हो सकता है।

शरीर की सुरक्षा को बढ़ावा देने में प्रभावी

केसर बादाम दूध शरीर की सुरक्षा को बढ़ावा देने में भी मददगार हो सकता है।

इसमें मौजूद तत्व शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं, जिससे संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है।

इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन-सी और विटामिन-ई भी प्रतिरोधक क्षमता को सहारा देते हैं। नियमित रूप से इस पेय का सेवन करने से आप स्वस्थ रह सकते हैं और बीमारियों से दूर रह सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी केसर बादाम दूध फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें मौजूद केसर तनाव और उदासी जैसी मानसिक समस्याओं को कम करने में मदद करता है।

इसके अलावा इसमें मौजूद खनिज मस्तिष्क की कार्यक्षमता को सुधारने में सहायक होते हैं।

नियमित रूप से इस पेय का सेवन करने से आप मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं और बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

त्वचा और बालों की देखभाल के लिए अच्छा

केसर बादाम दूध त्वचा और बालों की देखभाल के लिए भी अच्छा माना जाता है। इसमें मौजूद विटामिन-ई त्वचा को नमी प्रदान करता है और झुर्रियों को कम करने में मदद करता है।

इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन-ए बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है और उन्हें झड़ने से रोकता है। नियमित रूप से इस पेय का सेवन करने से आपकी त्वचा और बाल स्वस्थ रहते हैं।

सुबह खाना जल्दी बनाने के लिए रात में ही करें यह काम

हम खाना बनाने की कितनी ही जल्दी क्यों न करें लेकिन अक्सर लेट हो ही जाते हैं। यह प्रॉब्लम तब और भी ज्यादा बढ़ जाती है जब आप आपको ऑफिस या कॉलेज जाना हो। सुबह के समय जल्दी, टेस्टी और बिना थके बनाना किसी टास्क से कम नहीं है। ऐसे में हम आपके लिए लाए हैं कुछ कुकिंग टिप्स-

रात को सब्जियां काटकर रखें

रात को सब्जियां काटकर फ्रिज में रखी जा सकती हैं। ऐसा करने से आपका काफी समझ बच जाएगा। खासकर अगर आप मल्टीपल डिशेज बनाने वाले हैं, तो यह काम जरूर करें।

राजमा, चना और दाल भिगाकर रखें

राजमा, चना और दाल ऐसी चीजें हैं, जिन्हें पकने के लिए काफी टाइम चाहिए होता है इसलिए आपको इसे भिगाकर रखना चाहिए। जिससे कि आपको कम से कम टाइम देना हो। इन्हें भिगाने से पौष्टिकता तो बढ़ती ही है। साथ ही जल्दी भी पक जाते हैं।

रात में किचन मैनेज करके सोएं

सुबह उठकर आप कम पैनिक होंगे, अगर रात में आप किचन को साफ करके सोएंगे, इससे आपकी काफी मेहनत बच जाएगी और आपको कोई भी सामान तलाशने के लिए मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

रात को सोचकर सोएं कि क्या बनाना है

आप अगर सुबह उठकर सोचेंगे कि क्या बनाएं, तो ऐसा सोचने में ही काफी टाइम खराब हो जाएगा इसलिए अच्छा यही होगा कि घर के लोगों की पसंद और नापसंद का ख्याल रखते हुए आप रात में ही डिसाइड कर लें कि आपको क्या बनाना है। इससे घर के मेंबर्स के मूड और आपका टाइम दोनों बच जाएगा।

'सेवा-संकल्प' :मुख्यमंत्री के निवास पर सजी रंगोली, जलाया आशीर्वाद की दीया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर अपने निवास पर 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्वलित कर उनके स्वस्थ, सुदीर्घ और यशस्वी जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर आंगन में खूबसूरत रंगोली भी की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के प्रति समर्पण को स्मरण करते हुए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किए हैं। गरीब कल्याण से लेकर सुशासन, अंत्योदय से लेकर आत्मनिर्भर भारत और विरासत के सम्मान से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक उनकी यह यात्रा देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर छत्तीसगढ़ सहित देशभर में सेवा और जनभागीदारी का भाव दिखाई दे रहा है। 'आशीर्वाद का दीया' इसी आत्मीय भावना की अभिव्यक्ति है। यह छोटा-सा दीप प्रधानमंत्री के प्रति प्रदेशवासियों के स्नेह, विश्वास और शुभकामनाओं का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभा रहा है। हमारा संकल्प है कि विकास की रोशनी प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा तथा जनजातीय समाज की आकांक्षाएं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की शक्ति बनें।

सवा लाख 'आशीर्वाद के दीपों' से जगमगाया खारुन नदी का तट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस पर महादेव घाट सवा लाख दीपों की ज्योति से जगमगा उठा। विराट दीपोत्सव एवं महाआरती 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए और मंगलकामना की। सवा लाख दीपों की एक साथ प्रज्वलित ज्योति से महादेव घाट का पूरा परिसर आलोकित हो उठा। श्रद्धा, आस्था और जनभागीदारी के इस अनुपम संगम के बीच खारुन मैया की भव्य महाआरती की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना जीवन राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किया है। उनके नेतृत्व में भारत ने विकास, जनकल्याण और राष्ट्रीय स्वाभिमान के क्षेत्र में अनेक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी दिन-रात 140 करोड़ देशवासियों की सेवा में जुटे हैं और उनके नेतृत्व में आज भारत विकास की नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज खारुन मैया के पावन तट पर प्रज्वलित सवा लाख दीप प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति छत्तीसगढ़वासियों के स्नेह, आत्मीयता और शुभकामनाओं की अभिव्यक्ति हैं।

विराट दीपोत्सव के दौरान साध्वी प्रज्ञा भारती एवं आचार्यों द्वारा विधि-विधान के साथ खारुन मैया की महाआरती की गई। मुख्यमंत्री ने भी सहभागिता की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्पित साध्वी प्रज्ञा भारती द्वारा रचित एवं स्वरबद्ध गीत का मुख्यमंत्री ने विमोचन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने ऐसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय और परिवर्तन देखे हैं, जिनकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाने से लेकर अयोध्या में भगवान श्री रामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने तक देश ने नए आत्मविश्वास और सामर्थ्य का अनुभव किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रहित में बड़े और दूरगामी निर्णय लिए गए हैं। उनके दृढ़ संकल्प, स्पष्ट दृष्टि और राष्ट्रसेवा की भावना ने देश में विकास और जनकल्याण की गति को तेज किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के लिए शासन का केंद्र हमेशा गरीब और समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति रहा है। इसी भावना के अनुरूप गरीब परिवारों को पक्का आवास, घर-घर शौचालय, जन-धन खाते, रसोई गैस कनेक्शन, खाद्यान्न सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने व्यापक स्तर पर कार्य किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रत्येक देशवासी को अपने परिवार का सदस्य मानकर 'सबका साथ, सबका विकास' के ध्येय के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनकी सरकार ने गरीब की छोटी से छोटी आवश्यकता और उसके जीवन को बेहतर बनाने वाली सुविधाओं को शासन की प्राथमिकता बनाया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ अपने कार्य अनुभव को स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में जब श्री मोदी प्रधानमंत्री बने, तब मुझे भी उनकी सरकार में केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। उस दौरान मुझे उनकी कार्यशैली, अनुशासन, परिश्रम और जनसेवा के प्रति समर्पण को निकट से देखने और समझने का अवसर मिला।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक राजेश मूणत एवं मोतीलाल साहू, रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, कौशल्या साय, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष रामप्रताप सिंह, सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, राज्य गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजीव लोचन महाराज, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा, राज्य फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, सनातन ध्वज वाहिनी के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

सेवा संकल्प : उप मुख्यमंत्री ने महारानी अस्पताल जगदलपुर में किया रक्तदान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के सफल 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से पूरे देश और प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की गई है। इसी कड़ी में जनसेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने गुरूवार को अपने बस्तर प्रवास के दौरान महारानी अस्पताल जगदलपुर पहुँचकर स्वयं रक्तदान किया। इस दौरान वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करने और जरूरतमंदों के लिए रक्त की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महारानी अस्पताल तथा शासकीय मेडिकल कॉलेज, डिमरापाल में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर श्री शर्मा ने शिविर में मौजूद अन्य रक्तदाताओं से भेंट कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने समाज के प्रति युवाओं की इस संवेदनशीलता और निस्वार्थ सेवा भाव की मुक्तकंठ से सराहना की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एक यूनिट रक्त आपातकालीन स्थितियों, गंभीर बीमारियों और दुर्घटनाओं में घायलों के लिए जीवनरक्षक साबित होता है। इसके साथ ही उन्होंने शिविर में दिन-रात सेवा दे रहे चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों और स्वयंसेवकों के समर्पण की भी प्रशंसा की।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन जनसेवा, राष्ट्र निर्माण और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। उनके 25 वर्षों के इस सेवा पथ से प्रेरणा लेकर ही सेवा संकल्प अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत अगले एक महीने तक समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए विविध कार्य किए जाएंगे। उन्होंने प्रदेश के युवाओं से आह्वान किया कि वे भी इस अभियान से जुड़कर नियमित रक्तदान को अपनी आदत बनाएं और पीड़ित मानवता की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाएं।

एड्स के प्रति जागरूकता, बचाव और इसके उपचार के आधुनिक संसाधनों पर नाटक का मंचन

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने महारानी अस्पताल में एड्स के प्रति जागरूकता, बचाव और इसके उपचार के आधुनिक संसाधनों पर आधारित एक ज्ञानवर्धक नाटक का मंचन भी देखा। नाटक के माध्यम से समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने का संदेश दिया गया। उप मुख्यमंत्री ने कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि जनजागरूकता स्वास्थ्य अभियानों की सफलता की सबसे मजबूत कड़ी है। महारानी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में आयोजित शिविरों में आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर में बड़ी संख्या में रक्त यूनिट एकत्रित की गई।

मां दंतेश्वरी मंदिर में प्रज्जवलित हुआ आशीर्वाद का दीया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जगदलपुर के ऐतिहासिक मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में दीप प्रज्वलित कर सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूरे जिले में सात लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए। मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत सवा लाख दीप, जगदलपुर शहर में ढाई लाख से अधिक तथा ग्रामीण क्षेत्रों में साढ़े चार लाख दीपों से बस्तर रोशन हुआ।

श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर को नक्सलवाद की चुनौती से बाहर निकालकर शांति और विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में सुरक्षा बलों के शौर्य के साथ जनता का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा है। वर्ष 2014 के बाद देश में हुए नीतिगत बदलावों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश 'पॉलिटिक्स विद परफॉर्मेंस' के नए दौर में आगे बढ़ रहा है। देश में एमबीबीएस की सीटें 51 हजार से बढ़कर एक लाख 29 हजार से अधिक हुई हैं। उन्होंने दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज शुरू होने तथा एम्स की संख्या सात से बढ़कर 22 होने का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम में महापौर संजय पांडे और जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप ने भी बस्तर में शांति, विकास और रोजगार के नए अवसरों को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संभाग आयुक्त डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक बी.एन. मीणा, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

11 हजार दीयों से जगमग हुआ माता भद्रकाली मंदिर परिसर, प्रधानमंत्री मोदी के शतायु जीवन की कामना

श्रीकंचनपथ समाचार

बेमेतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा काल के 25 वर्ष होने के पावन अवसर पर बेमेतरा जिला दीपों की दिव्य आभा से जगमगा उठा। जिला मुख्यालय स्थित माता भद्रकाली मंदिर परिसर में 11,101 दीयों को प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के चिरायु, दीर्घायु एवं शतायु जीवन की कामना की गई।

जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम 'आशीर्वाद का दीया' का शुभारंभ खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल ने दीप प्रज्वलित कर किया।

- बेमेतरा के जोंग में 11 हजार, बेरला के संडी मंदिर, साजा के बिरनपुर शक्ति मंदिर एवं नवागढ़ के मावली मंदिर में 21-21 हजार दीयों का प्रज्वलन
- ग्राम माटरा में थीम आधारित ड्रोन शॉट और अंधियारखोर-जेवरा में हॉफनदी धार अपार थीम पर ड्रोन वीडियोग्राफी विशेष आकर्षण रहा

मंदिर परिसर में हजारों दीयों की आकर्षक रंगोली और जय श्री राम के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

मंत्री श्री बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन - नल जल योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत जैसी अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं से देश के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचा है और देश का मान वैश्विक पटल पर बढ़ा है। आज पूरा भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर तेजी से अग्रसर है, जिसका श्रेय प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच को जाता है।

श्री बघेल ने कहा कि आज का यह श्आशीर्वाद का दीयाश् केवल एक दीप नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है।

इस अवसर पर विधायक श्री दीपेश साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने यशस्वी जीवन की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संकल्प के साथ देश सेवा का 25 वर्ष पूर्ण हो रहा है, यह देश के लिए गौरव की बात है। इस मौके पर जिले में स्वच्छता कार्यक्रम, वृक्षारोपण कार्यक्रम, रक्तदान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

कार्यक्रम में रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं, जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पद्माकर, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू, अन्य जनप्रतिनिधि सहित अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

हसदेव नदी के कुदरी बैराज तट पर जगमगाए 'आशीर्वाद के दिये'

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जांजगीर-चांपा जिले में जनभागीदारी के साथ 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया। हसदेव नदी के कुदरी बैराज तट पर सैकड़ों दीपों के प्रज्वलन से पूरा परिसर रोशन हो उठा। दीपों के माध्यम से सेवा, सुशासन, विकास और जनकल्याण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

घर से निकलीं तीन सहेलियां तालाब में मिलीं तीनों की लाशें

कोरबा। कोरबा जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नुनेरा में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। तालाब में नहाने गई तीन मासूम सहेलियों की डूबने से मौत हो गई। ग्राम नुनेरा निवासी इंदु अगरिया उम्र 7 वर्ष, राखी उम्र 8 वर्ष और साधना उम्र 8 वर्ष गुरुवार दोपहर नहाने के लिए गांव स्थित अलगू तालाब गई थीं। तीनों एक ही बस्ती की रहने वाली थीं और सहेलियां थीं। बताया जा रहा है कि उस दिन तीनों स्कूल नहीं गई थीं और घर पर ही थीं। परिजन काम पर गए हुए थे। दोपहर के समय तीनों तालाब नहाने गई थीं। परिजन और ग्रामीण तालाब पर पहुंचे तो किनारे पर तीनों बच्चों के कपड़े और चप्पल मिले। इसी दौरान तालाब में इंदु का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। काफी मशक्कत के बाद राखी और साधना के शव भी बरामद कर लिए गए। पुलिस ने मर्ग कायम कर तीनों शवों का पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

31.75 लाख के अनाज गबन का फरार आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ विकासखंड की दो सरकारी उचित मूल्य दुकानों में लगभग 31.75 लाख रुपये के अनाज गबन के मामले में पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। धरमजयगढ़ के ससकोबा और गनपतपुर राशन दुकानों की खाद्य विभाग की जांच में 1,204 क्विंटल से अधिक चावल, शक्कर और नमक की कमी पाई गई थी। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने गनपतपुर स्थित उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया था। दुकान का संचालन जननी महिला स्व सहायता समूह करता है। जांच में अधिकारियों को दुकान के स्टॉक में 704.93 क्विंटल चावल, 15.34 क्विंटल शक्कर और 31.98 क्विंटल नमक कम मिला। गायब अनाज की कीमत करीब 18 लाख 86 हजार 345 रुपये आंकी गई। गबन उजागर होने के बाद से दुकान का विक्रेता शाहनवाज उर्फ मौसम खान फरार था। पुलिस को आरोपी के अपने गांव में मौजूद होने की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

बुलेट जब्ती अभियान, बिना नंबर-प्लेट गाड़ियों पर सख्ती

बिलासपुर। बिलासपुर में बढ़ते लूट और आपराधिक वारदातों पर रोक लगाने के लिए पुलिस ने सख्ती दिखाई है। जिसके तहत अभियान चलाकर कार्रवाई भी की जा रही है। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस की टीम ने शहर में घूम-घूमकर बुलेट और स्पोर्ट्स बाइक पकड़ने के लिए अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान 28 बुलेट समेत 31 मॉडिफाइड साइलेंसर लगी स्पोर्ट्स बाइक जब्ती की कार्रवाई की गई। सभी के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत केस दर्ज कर प्रकरण न्यायालय भेजे जा रहे हैं।

ओडिशा में लॉक तोड़कर राजस्थान में बेचते थे मोबाइल, रायपुर में 100 फोन चुराने वाले 5 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर की कबीर नगर पुलिस ने मोबाइल चोरी और लूट करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा किया है। गिरोह रायपुर से चोरी और लूटे गए मोबाइल ओडिशा भेजता था। वहां मोबाइल का लॉक खोलकर उन्हें आगे राजस्थान में बेचा जाता था।

पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 14 मोबाइल और दो लैपटॉप जब्त किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, वारदातों की जांच के दौरान टीम ने अलग-अलग जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। एक फुटेज में शहजाद अली उर्फ भिंडी नजर आया। पुलिस ने उसे रावाभाटा क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि वह पहले भी मोबाइल लूट के मामले में जेल जा चुका है।

शहजाद की निशानदेही पर पुलिस ने गौरव मझखंड और कृष दीप को भी गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि रायपुर में चोरी और लूटे गए मोबाइल स्थानीय बाजार में नहीं बेचे जाते थे। इन्हें ओडिशा के राजखरीयार क्षेत्र में रहने वाले भोदेव मेहर तक पहुंचाया जाता था।

पुलिस के मुताबिक, भोदेव मोबाइल दुकान की आड़ में चोरी के मोबाइल का लॉक खोलता था। इसके बाद इन फोन को सेकंड हैंड मोबाइल बताकर बेच दिया जाता था। कुछ मोबाइल को अनलॉक करने के लिए राजस्थान के कोटा निवासी आकाश परेटा के पास भेजा जाता था। कबीर नगर पुलिस और साइबर टीम ने मोबाइल की पूरी सप्लाई चेन को ट्रेस कर रायपुर, ओडिशा और राजस्थान से आरोपियों को गिरफ्तार किया।

साइबर ठगी व ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क पर बड़ा प्रहार, 63 एफआईआर और 257 गिरफ्तारियां

1400 से ज्यादा खातों पर कार्रवाई और ढाई करोड़ से ज्यादा राशि होल्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साइबर ठगी एवं ऑनलाइन सट्टे के वित्तीय नेटवर्क पर दुर्ग पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। हाल के दिनों में ऐसे कई प्रकरणों में अपराध दर्ज करने के साथ ही सैकड़ों गिरफ्तारियां की गई हैं। कार्रवाई में जिले के संबंधित थाना प्रभारियों, साइबर सेल, तकनीकी विश्लेषण टीम, विवेचना अधिकारियों एवं थाना स्टाफ द्वारा बैंकिंग ट्रांजेक्शन का विश्लेषण, म्यूल खातों की पहचान, डिजिटल साक्ष्य संकलन, खाताधारकों का सत्यापन, प्रकरण पंजीबद्ध करने एवं आरोपियों की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है।

दुर्ग पुलिस द्वारा अब तक 63 एफआईआर में 1668 खातों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इनमें से 578 खातों में सत्यापन 257 गिरफ्तारियां दर्ज की गई हैं। साइबर ठगी एवं ऑनलाइन सट्टे से संबंधित मामलों में अपराधियों द्वारा अवैध धनराशि के लेन-देन एवं हस्तांतरण के लिए म्यूल बैंक खातों का उपयोग किया जाता है। दुर्ग पुलिस द्वारा ऐसे बैंक खातों की पहचान के लिए प्राप्त शिकायतों, बैंकिंग लेन-देन, केवाईसी दस्तावेज, यूपीआई ट्रांजेक्शन एवं उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों का लगातार विश्लेषण किया जा रहा है।

तकनीकी एवं वित्तीय विश्लेषण के आधार पर अब तक कुल 3,162 म्यूल बैंक खातों की पहचान की गई है। इनमें से 1,668 खातों के संबंध में 63 एफआईआर में वैधानिक कार्रवाई की जा चुकी है। इन प्रकरणों में अब तक कुल 257 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। इसके अतिरिक्त 578 बैंक खातों के संबंध में सत्यापन/इस्तगासा की कार्रवाई की गई है। इन खातों से संबंधित खाताधारकों एवं उपलब्ध बैंकिंग जानकारी का परीक्षण किया जा रहा है।

वर्तमान में 916 म्यूल बैंक खाते लंबित हैं। इन खातों से संबंधित बैंकिंग लेन-देन, केवाईसी, मोबाइल नंबर, यूपीआई एवं अन्य उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण कर खाताधारकों एवं संभावित रूप से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। जांच के निष्कर्ष के आधार पर नियमानुसार आगामी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। दुर्ग पुलिस द्वारा म्यूल खातों की पहचान से लेकर बैंकिंग ट्रांजेक्शन के विश्लेषण, धनराशि के प्रवाह की जांच एवं संबंधित व्यक्तियों की पहचान तक कार्रवाई को चरणबद्ध रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है।

साइबर अपराधियों एवं ऑनलाइन सट्टे से जुड़े व्यक्तियों द्वारा कमीशन, आसान कमाई अथवा अन्य आर्थिक प्रलोभन देकर लोगों के बैंक खाते प्राप्त किए जाते हैं। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी एवं अन्य अवैध गतिविधियों से प्राप्त धनराशि को जमा करने तथा विभिन्न बैंक खातों एवं डिजिटल माध्यमों में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। कुछ मामलों में खाताधारकों द्वारा अपने बैंक खाते की सुविधा अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जाती है, जबकि कुछ मामलों में बैंकिंग लेन-देन का संचालन अन्य व्यक्तियों द्वारा किया जाता है। दुर्ग पुलिस द्वारा ऐसे मामलों में बैंकिंग रिकॉर्ड, केवाईसी दस्तावेज, यूपीआई ट्रांजेक्शन एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर धनराशि के प्रवाह और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका का परीक्षण किया जा रहा है।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि कमीशन अथवा आसान कमाई के लालच में अपना बैंक खाता किसी अन्य व्यक्ति को उपलब्ध न कराएं। अपना एटीएम कार्ड, चेकबुक, पासबुक, मोबाइल सिम, ओटीपी, यूपीआई अथवा इंटरनेट बैंकिंग संबंधी जानकारी किसी अन्य व्यक्ति को न दें। किसी व्यक्ति द्वारा बैंक खाता उपलब्ध कराने अथवा कमीशन के बदले बैंकिंग लेन-देन करने का प्रस्ताव दिए जाने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल अथवा निकटतम पुलिस थाना को सूचना दें।

एपीके फाइल से 4.15 लाख की ठगी व्हाट्सऐप पर भेजी ऑटो डाउनलोड फाइल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के खम्हारडीह इलाके में ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। लाभांडी स्थित रहेजा रेजीडेंसी निवासी कारोबारी तनुज अग्रवाल (35) के मोबाइल पर व्हाट्सऐप के जरिए एक एपीके फाइल आई।

फाइल ऑटो डाउनलोड होने के बाद उनके बैंकिंग माध्यमों से 4 लाख 15 हजार 529 रुपए निकाल लिए गए। ठगी का पता चलने पर तनुज ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत की। शिकायत के आधार पर खम्हारडीह पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत के मुताबिक, 12 सितंबर को तनुज के व्हाट्सऐप नंबर पर एक एपीके फाइल आई थी। मोबाइल में व्हाट्सऐप का ऑटो डाउनलोड फीचर ऑन होने के कारण फाइल अपने आप डाउनलोड हो गई।

इसके बाद उनके बैंकिंग माध्यमों से रकम निकलने लगी। तनुज का मोबाइल नंबर बैंक ऑफ इंडिया के क्रेडिट कार्ड और यूनियन बैंक के करंट अकाउंट से लिंक था।

शिकायत के अनुसार, बैंक ऑफ इंडिया के क्रेडिट कार्ड से 69,998.97 रुपए निकाल लिए गए। इसके बाद यूनियन बैंक के करंट अकाउंट से यूपीआई के जरिए 3,45,530.95 रुपए ट्रांसफर किए गए। दोनों जगह से कुल 4,15,529.92 रुपए की रकम चली गई।

रकम निकलने की जानकारी मिलने के बाद कारोबारी ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। 17 सितंबर को खम्हारडीह थाने में लिखित शिकायत दी गई। पुलिस ने दस्तावेजों की जांच के बाद धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस अब एपीके फाइल किस नंबर से भेजी गई, रकम किन खातों में ट्रांसफर हुई और ठगी में किन लोगों की भूमिका है, इसकी जांच कर रही है। बैंकिंग ट्रांजैक्शन और साइबर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

किश्त नहीं चुका पाए तो लगे बाइक चुराने

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। अकलतरा पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामलों का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे वाहन की किश्त नहीं चुका पा रहे थे।

इसके बाद साथियों के साथ मिलकर आसपास के रेलवे स्टेशनों से बाइक चोरी करने लगे और उन्हें कम कीमत में बेचकर मिलने वाले पैसों से खाने-पीने और पार्टी में खर्च करते थे। पुलिस के अनुसार, 1 सितंबर को अकलतरा वार्ड क्रमांक 14 निवासी मदन मोहन सिंह ने मोटरसाइकिल चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी।

इसके बाद 16 सितंबर को अकलतरा निवासी सनी तान्द्रे ने घर के सामने से आई स्मार्ट मोटरसाइकिल और एक्टिवा स्कूटी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। दोनों मामलों की जांच में साइबर सेल और अकलतरा पुलिस को मुखबिर से महत्वपूर्ण जानकारी मिली। आरोपी सोनू बरेठ (23), निवासी कोरबा रेलवे स्टेशन क्षेत्र से पूछताछ की गई। उसने बताया कि एक मामले की पेशी के दौरान वाहन फाइनेंसर का फोन आया था। उस पर करीब 15 हजार रुपए की किश्त बकाया थी और वाहन जब्त होने की बात से वह परेशान था। अकलतरा रेलवे स्टेशन के पास एक दुकान के किनारे से एक्टिवा स्कूटी चोरी की गई। इसे भी 6 हजार रुपए में बेचने की बात सामने आई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी की सूचना परिजनों को दी। इसके बाद दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

माजदा की टक्कर से 2 सगे भाइयों की मौत, एक गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

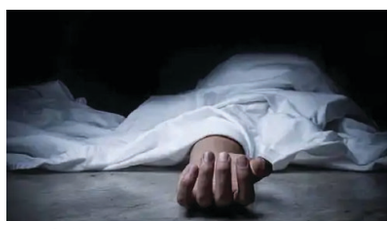

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के बिल्हा क्षेत्र में तेज रफ्तार माजदा वाहन ने सड़क किनारे खड़े तीन सगे भाइयों को चपेट में ले लिया। हादसे में दो भाइयों की मौत हो गई, जबकि तीसरे की हालत गंभीर है। तीनों भाई अपनी गर्भवती बेटी का हालचाल जानने गए थे। इसी दौरान तेज रफ्तार माजदा ने उन्हें टक्कर मार दी और बिजली के खंभे से जा टकराई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

घटना बिल्हा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम भटगांव के रहने वाले बरातु दास मानिकपुरी अपने दो भाइयों प्रीतम दास और चंदू दास के साथ रिश्तेदार प्रदीप मानिकपुरी के घर गए थे। प्रदीप की बेटी गर्भवती है। तीनों उसका हालचाल जानने पहुंचे थे। मुलाकात के बाद तीनों भाई घर लौट रहे थे।

इस दौरान उन्होंने घर के सामने सड़क किनारे अपनी बाइक (सीजी 10 एक्स 7988) खड़ी की और आपस में बातचीत करने लगे। इसी दौरान सेवार की ओर से तेज रफ्तार में आ रही माजदा वाहन (सीजी 10 सी 1868) के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए तीनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक माजदा वाहन के अगले पहिए में फंसकर कुछ दूर तक घिसटती चली गई। इसके बाद माजदा सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकराकर रुक गई। तीनों भाई सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज रफ्तार माजदा वहां पहुंची। उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के बाद चालक गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों घायलों को बिल्हा अस्पताल पहुंचाया जहां बरातु दास और प्रीतम दास को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, तीसरे भाई चंदू दास के कंधे और चेहरे पर गहरे जख्म हैं। उनका अस्पताल में इलाज जारी है।

हादसे की सूचना मिलने पर मृतक के बेटे रूपेन्द्र दास ने बिल्हा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने माजदा वाहन जब्त कर लिया है। फरार चालक के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

डीमैट खाता खोलकर शेयर जमा करने का झांसा 15 लाख की धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शेयर ट्रेडिंग एवं गोल्ड लोन व्यवसाय के नाम पर 15 लाख की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को छावनी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला के नाम पर डीमैट खाता खुलवाया और शेयर जमा करने का वचन देकर फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत किए। शेयर ट्रेडिंग एवं गोल्ड लोन व्यवसाय के नाम पर प्रार्थी से 15,00,000 लेकर धोखाधड़ी की। इस मामले में एफआईआर के बाद पुलिस ने आरोपी यतेंद्र सिंह डहरिया उर्फ शिबू की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया।

इस मामले में मैत्री नगर रिसाली निवासी अभिषेक जैन द्वारा थाना छावनी में शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत के अनुसार यतेंद्र सिंह डहरिया द्वारा मार्च 2024 में स्वयं को मोतीलाल ओसवाल का ब्रोकर एवं गोल्ड लोन व्यवसाय से जुड़ा व्यक्ति बताते हुए शेयर ट्रेडिंग के नाम पर उसकी पत्नी निकिता जैन के नाम से डीमैट खाता खुलवाया। आरोपी द्वारा सीडीएसएल में शेयर जमा करने का वचन देकर फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत किए गए तथा प्रार्थी से 15 लाख रुपए लेकर धोखाधड़ी की गई।

प्रकरण में प्रार्थी के परिचित विक्की सिंह संधू, विश्वजीत सिकदार एवं माधव ताण्डी द्वारा गोल्ड लोन के लिए गिरवी रखे गए आभूषणों को अन्यत्र बेचकर धोखाधड़ी किए जाने संबंधी तथ्य भी सामने आए। शिकायत पर थाना छावनी में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान प्राप्त तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर आरोपी यतेंद्र सिंह डहरिया उर्फ शिबू को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय दुर्ग के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में थाना छावनी पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि शेयर ट्रेडिंग, डीमैट खाता, गोल्ड लोन अथवा अन्य वित्तीय लेन-देन से संबंधित किसी भी व्यक्ति या संस्था पर विश्वास करने से पूर्व उसकी अधिकृतता एवं दस्तावेजों का सत्यापन अवश्य करें। संदिग्ध वित्तीय गतिविधि अथवा धोखाधड़ी की जानकारी होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें।

प्यार में फंसाकर युवती को बनाया बंधक, फोटो वायरल करने की धमकी देकर मांगे 50 हजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में युवती को प्रेमजाल में फंसाकर बंधक बनाने और फोटो वायरल कर बदनाम करने की धमकी देकर 50 हजार रुपए मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान अजरूदीन अली उर्फ अज्जू (20), निवासी मौदहापारा के रूप में हुई है। मामला चक्रधरनगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, 5 सितंबर को महिला ने चक्रधरनगर थाने में अपनी 24 वर्षीय बेटी के 3 सितंबर से लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 140(3) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान तकनीकी जानकारी और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बुधवार को अटल विहार, कोतरारोड़ स्थित एक मकान में दबिश दी। यहां से युवती को संदेही अजरूदीन अली उर्फ अज्जू के कब्जे से बरामद किया गया।

महिला पुलिस अधिकारी ने युवती का बयान दर्ज किया। युवती ने बताया कि 1 सितंबर को वह अपनी सहेली के साथ सावित्री नगर स्थित मीना बाजार मेला देखने गई थी। दोनों ने मोबाइल नंबरों का आदान-प्रदान किया और बातचीत शुरू हो गई। इसके बाद आरोपी उसे रायपुर ले गया और अपने परिचित के होटल में रुकवाया।

युवती ने बताया कि वह किसी तरह 13 सितंबर को ट्रेन से रायगढ़ पहुंची। इसकी जानकारी मिलने पर आरोपी उसे रायगढ़ रेलवे स्टेशन से अपने साथ ले गया और एक होटल में रखा। युवती के मुताबिक, वहां भी उसे बाहर जाने नहीं दिया गया। आरोपी मीना बाजार में खींची गई उसकी फोटो और उसके साथ रहने की बात सार्वजनिक कर बदनाम करने की धमकी देने लगा।

वह युवती से 50 हजार रुपए मांग रहा था और रुपए नहीं देने पर उसे जाने नहीं देने की बात कहता था। पुलिस ने आरोपी अजरूदीन अली उर्फ अज्जू को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उसके मोबाइल फोन की जांच कर रही है। सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

न्यायालय कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी जिला बेमेतरा (छ.ग.)

सार्वजनिक सूचना

प्रारूप "क"

राज्य शासन के विभाग – कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग बेमेतरा उपसंभाग बेमेतरा के अंतर्गत कुम्ही–तेलगा–बलौदीकला मार्ग का निर्माण कार्य ग्राम–तेलगा, प.ह.नं. 23, रा.नि.मं. – आनंदगांव, तहसील – बेरला, जिला – बेमेतरा (छ.ग.) के भूमि की आवश्यकता होने से राज्य शासन विभाग निम्नांकित कृषक की भूमि आपसी सहमति से क्रय नीति 2016 के तहत क्रय करना चाहता है ।

स. क्र.	भू-स्वामी का नाम व पिता व पति का नाम	क्रय करने हेतु प्रस्तावित भूमि का विवरण			
		ख.नं.	हेक्टे. में	एकड में	वर्गमी. में
1	2	3	4	5	6
1	शेषनारायण पिता ढालेन्द्र । केशर पति ढालेन्द्र , जाति – कुर्मी ,	417/2	0.042	0.104	420.00
		417/3	0.0436	0.108	436.00
2	तोरन प्रसाद पिता इंदरमन , जाति – कुर्मी	1171	0.0325	0.081	325.00
3	पुना राम पिता परदेशी , जाति – तेली	1169/1	0.0248	0.062	248.00
4	लाला राम पिता परदेशी , जाति – तेली	1169/2	0.0184	0.046	184.00
5	भागबली पिता परदेशी , जाति – तेली	1169/3	0.036	0.089	360.00
6	छन्नू पिता खोरबाहरा , जाति – ठेठवार	1202	0.0096	0.024	96.00

यदि किसी व्यक्ति या संस्था को क्रय-विक्रय या स्वत्व में कोई आपत्ति हो तो वह आधारों एवं सुसंगत दस्तावेजों सहित लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 09/10/2026 तक इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक 08.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया ।

जी- 262703319/3

कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी
जिला– बेमेतरा (छ.ग.)

राजनांदगांव से निकला 29 लाख का गुटखा जब्त

राजनांदगांव। राजनांदगांव से महाराष्ट्र के गढ़चिरौली तक प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू की बड़ी खेप पहुंचाने की कोशिश का खुलासा हुआ है। गढ़चिरौली पुलिस ने कुरखेड़ा-आरमोरी मार्ग पर एक छह चक्के ट्रक को रोककर तलाशी ली तो उसमें 29.23 लाख रुपए का प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू मिला। वाहन की कीमत 15 लाख रुपए समेत जब्त माल का कुल मूल्य 45.20 लाख रुपए बताया गया है। बुधवार को सूचना पर आरमोरी पुलिस ने रास्ते में घेराबंदी कर आयशर ट्रक को रोक लिया। तलाशी में अलग-अलग ब्रांड के तंबाकू के पैकेट और पाउच मिले। पुलिस के अनुसार ट्रक चालक ने अपना नाम शाहु धर्मेशकुमार इंदेरमन (28), निवासी जोशीलमती, गैंदाटोला, जिला राजनांदगांव बताया।

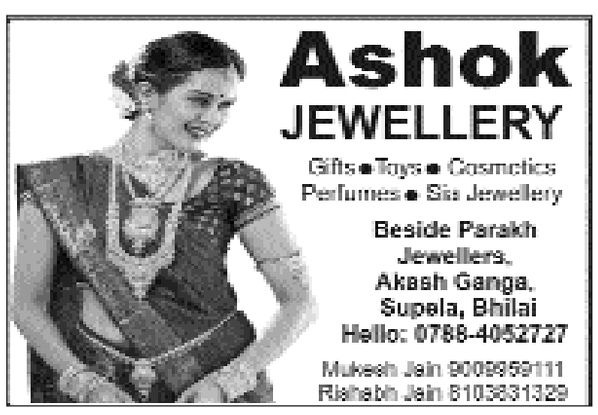

छत्तीसगढ़ शासन

गांवों में विकास की
नई रफ्तार

आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की मजबूत बुनियाद

24.09 करोड़
मानव दिवस रोजगार सृजित

₹5,356 करोड़
से अधिक मजदूरी भुगतान

3.33 लाख
परिवारों को 100 दिनों से अधिक रोजगार

10.15 लाख
स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण

12,393
जल संरक्षण कार्य पूर्ण

RO : 48382/6

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर

ChhattisgarhCMO छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950